कुरिन्थियन क पहिली पत्र

1 हमार भाई सोस्थिनेस क साथे पौलुस क अउर जेका
परमेस्सर आपन इच्छानुसार मसीह ईसू प्रेरित बनावइ बरे
चुनेस।
2कुरिन्थुस मँ रही परमेस्सर क ओन्ह कलीसिया क नाउँ
अहइ यानि ओन सबन का नाउँ, जउन मसीह ईसू मँ रही
परमेस्सर क सेवा करइ बरे नेउछावर रहइ, जेका परमेस्सर
पवित्तर मनइयन बनवइ बरे ओकरे साथेन चुनेस। जउन सब
जगह पर्भू ईसू मसीह क नाउँ लेत रहत हीं।
3हमरे परमपिता कइँती स अउर हमरे पर्भू ईसू मसीह
कइँती स तोहे सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क परमेस्सर क धन्यबाद

4तोहे मसीह ईसू मँ जउन अनुग्रह कीहीं गइ बा, ओकरे
बरे मइँ तोहरे कइँती स परमेस्सर क हमेसा धन्यबाद करत
अहउँ। 5तोहरे पचन क ईसू मसीह मँ रहइ क कारण हर
तरफ स अउर सब बानी अउर सब गियान स परिपूर्ण किहा
गवा बा। 6मसीह क बारे मँ हम जउन साच्छी दिहे अही उ
तोहरे बीच मँ प्रमाणित भई बा। 7अउर एनही क कारण
तोहरे लगे ओनके कउनउ इनाम क कमी नाहीं बा। तू हमरे
पर्भू ईसू मसीह क परगट होइ बरे इन्तजार करत रहा। 8उ
तोहे अन्त तक हमेसा मजबूत बनाए रही जेहसे जब ओहि
दिन तोहमाँ कोई गलती न होइ, जब ईसू फिनि स आवइ।
हमार पर्भू ईसू मसीह क दिनवा एकदम निहकलंक, खरा
बनाए रखीन।
9परमेस्सर एकदम बिसवासी अहइ। ओनही क कारण
तोहे हमरे पर्भू अउर ओकरे बेटवा ईसू मसीह क सत संगति
बरे बुलावा गवा बा।

कुरिन्थियन क कलीसिया क समस्सिया

10भाइयो तथा बहिनियो, हमरे पर्भू ईसू मसीह क नाउँ मँ
मोर तोह सबनस बिनती बा कि तू सभन मँ कउनउ मतभेद
न होइ? तू सभे एक साथेन जुटा रहा, अउर तोहार चिन्तन
अउर लच्छ एक्कई होइ। 11भाइयन तथा बहिनियन, मोका
खलोए क घराने क लोगन स पता चला ह कि तोहरे पचन
क बीच आपस क झगड़ा बा। 12मइँ इ कहत हउँ कि
तोहमें स केऊ कहत ह, "मइँ पौलुस क हउँ" तउ केउ
कहत ह, "मइँ अपुल्लोस क हउँ।" कीहीउ क मत अहइ,
"उ पतरस क अहइ।" त केउ कहत ह, "उ मसीह क
अहइ।" 13का मसीह बँटि गवा बाटेन? पौलुस तउ तोहरे बरे
क्रूस पर नाहीं चढ़ा रह। का वो चढ़ा रहेन? तोहे पौलुस क
नाउँ क बपतिस्मा तउ नाहीं दिहा गवा। बतावा का दीहा
गवा? 14परमेस्सर क धन्यबाद बा कि मइँ तोहमा स
क्रिसपुस अउर गयुस क छोड़िके कउनो अउर क बपतिस्मा
नाहीं दिहा। 15ताकि कउनउ इ न कहि सकइ कि तू लोगन
क हमरे नाउँ क बपतिस्मा दिहा गवा बा। 16(मइँ स्तिफनुस
क परिवार कभी बपतिस्मा दिहे रउँ मुला जहाँ तलक बाकी
क लोगन क बात बा, तउ मोका याद नाहीं कि मइँ कउनो
ही अउर क कभउँ बपतिस्मा दिहे होउँ।) 17काहेकि मसीह
हमका बपतिस्मा देइ क बरे नाहीं, बल्कि बानी क कउनउ
तर्क-वितर्क तथा अलंकार क बिना सुसमाचार क प्रचार
करइ क बरे पठए रहा ताकि मसीह क क्रूस अइसेन ही
व्यर्थ न चला जाइ।

परमेस्सर क सक्ति अउर गियान-सरूप मसीह

18उ जउन भटकत हयेन, ओनके बरे क्रूस क संदेस एक
निरी मूरखतइ अहइ। मुला जउन उद्धार पावत हयेन ओनके
बरे उ परमेस्सर क सक्ति बा। 19पवित्तर सास्तरन मँ लिखा
बा

"गियानियन क गियान क मइँ नस्ट कइ देबइ, अउर मइँ
सब चतुरन क चतुरइ कुंठित करबइ।"

यसायाह 29:14

20कहाँ अहइ गियानी मनईं? कहाँ बा विद्वान? अउर एह
युगे क सास्त्रार्थी कहाँ अहइ? का परमेस्सर संसारी क
बुद्धिमानी क मूर्खता नाहीं सिद्ध किहेस? 21इही बरे काहेकि
परमेस्सर गियान क जरिये इ संसार अपने बुद्धि बले स
परमेस्सर क नाहीं पहिचान सका तउ हम सँदेस क कही भइ
मूर्खता क प्रचार करत अही। 22यहूदियन लोग त अदभुत
चीन्हन क मांग करत हीं अउर गैर यहूदियन विवेक क
खोज मँ अहइँ। 23मुला हम तउ बस क्रूस पर चढ़ावा गवा
मसीह क ही उपदेस देइत अही। एक अइसेन उपदेस जउन
यहूदियन क बरे विरोध क कारण अहइ अउर गैर यहूदियन
क बरे निरी मूर्खता। 24मुला ओनके बरे जेनका परमेस्सर
द्वारा बोलॉइ लिहा गवा बा, फिन चाहे ओ यहूदी होइँ या
गैर यहूदी, इ उपदेस मसीह अहइ जउन परमेस्सर क सक्ती
अहइ, अउर परमेस्सर क विवेक अहइ।
25काहेकि परमेस्सर क कही गइ "मूर्खता" मनइयन क
गियान स कहूँ जियादा विवेकपूर्ण बा। अउर परमेस्सर क
कही गइ "कमजोरी" मनइयन क सक्ती स कहूँ जियादा
सच्छम बा।
26भाइयो तथा बहिनियो, अब तनिक सोचा कि जब
परमेस्सर तउ तू बोलाये रहा तउ तोहमें स बहुत जनेन
संसारिक दिस्टी स न तउ बुद्धिमान रहेन अउर न त
सक्तिसाली। तोहमें स कइयउ क सामाजिकइ स्तर भी

कउनउ ऊँचा नाहीं रहा। 27बल्कि परमेस्सर तउ संसार मँ
जउन कही गइ मूर्खतापूर्ण रहा, ओका चुनेस ताकि बुद्धिमान
लोग लज्जित होइँ। परमेस्सर तउ संमार मँ कमजोरन क
चुनेस ताकि जउन मजबूत अहइँ, उ सबइ लज्जित होइँ।
28परमेस्सर संसार मँ स इन बातन क चुनेस जउन नीचे रहिन
अउर जउन तुच्छ रहिन अउर जउन कछू नाहीं रहिन।
परमेस्सर एनका चुनेस ताकि संसार जेका कछू समझत ह,
ओका उ खराब कइ सकइ।

29ताकि परमेस्सर क सामने कउनउ मनई अभिमान न
कइ पावइ। 30मुला तू मसीह ईसू मँ उही क कारण स्थित
ह्वा, उहइ परमेस्सर क बरदान क रूप मँ हमार बुद्धि
बनिगइ अहइ। उही क जरिये हम निर्दोस ठहरावा गएन
अउर हम परमेस्सर क समर्पित होइ सकी अउर हमका
पापन स छुटकारा मिलि जाइ।

31जइसेन कि पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बा, “अगर
कीहीउ क कउनउ घमण्ड करब बाटइ तउन उ पर्भू मँ
घमण्ड करइ।”*

क्रूस पर चढ़ा मसीह क बारे मँ संदेस

2 भाइयो तथा बहिनियो जब मइँ तोहरे लगे आए रहेउँ
तउ परमेस्सर क रहस्यपूर्ण सच क, बानी क चतुरता
अउर मानुस बुद्धि क साथे उपदेस देत हुए नाहीं आइ रहेउँ
2काहेकि मइँ इ निस्चय कइ लिहे रहेउँ कि तोहारे बीच
रहत, मइँ ईसू मसीह अउर क्रूस पर भइ ओकर मउत क
छोड़िके कउनउ अउर बात क जनबइ तलक नाहीं। 3तउन
मइँ दीनता क साथे भय स काँपत भवा तोहरे लगे आएउँ
ह। 4अउर मोर भासण अउर मोर घोसना मानुस बुद्धि क
लुभावइवाले सब्दन स मिला नाहीं रहा, बल्कि ओहमें रहा
आतिमा क सक्ति क प्रमान 5ताकि तोहरे बिसवास मानुस
बुद्धि क बजाय परमेस्सर क सक्ति पइ टिक सकइ।

परमेस्सर क गियान

6जे समझदार अहइँ, ओनके हम बुद्धि देत अही, काहेकि
इ बुद्धि, इ जुग क बुद्धि नाहीं बा, न ही एँह जुगे क
ओन्हन सासकन क बुद्धि अहइ जेका बिनास क कगार पर
लइ आवा जात बा। 7एकरे स्थान पर हम तउ परमेस्सर क
ओह रहस्यपूर्ण विवेक क देत हीं जउन छुपा हुआ रहा अउर
अनादि काल स परमेस्सर हमार महिमा बरे निस्चित किहे
रहा। 8अउर जेका एँह जुगे क कउनउ सासक नाहीं समझेन
काहेकि अगर उ सबइ ओका समझ पाए होतेन तउ उ पचे
ओह महिमावान पर्भू क क्रूस पर न चढ़उतेन। 9मुला पवित्तर
सास्तरन मँ लिखा बा:

“जेहे नाहीं अंखिया देखेन अउर नाहीं काने स सुनेन तक,
जहाँ मानुस क बुद्धि तक कभऊँ नाहीं पहुँचत ऐसी बानी
ओनके बरे बनावाइस पर्भू जे ओनकर पिरेमी जन होइ
जातेन।” *यसायाह 64:4*

10मुला परमेस्सर इन बातन क आतिमा क जरिये हमरे
बरे परगट किहे अहइ। काहेकि आतिमा हर कीहीउ बात क
ढूंढ़ निकालत इहाँ तक कि परमेस्सर क छिपी गहरायन तक
क। 11अइसेन के अहइ जउन दूसरे मनइयन क मन क बात
जानि लेइ सिवाय ओह मनई के ओह आतिमा क जउन
ओनके अपने भित्तरइ अहइ। एह तरह परमेस्सर क बिचारन
केऊँ परमेस्सर क आतिमा क छोड़िके अउर कउन जान
सकत ह। 12मुला हम संसारिक आतिमा नाहीं बल्कि ऊ
आतिमा पाए अही जउन परमेस्सर स मिलत ह ताकि हम
उन बातन क जान सकी जेनका परमेस्सर हमका मुक्त रूप
स दिहे बाटइ। 13ओनही बातन क हम मनइयन बुद्धि क
जरिये बिचारा गवा सब्दन मँ नाहीं बोलित बल्कि आतिमा
द्वारा बिचारा गवा सब्दन स आतिमा क चीजन क
बियाखिया करत बोलत अही। 14एक प्राकृतिक मनई परमेस्सर
क आतिमा द्वारा प्रकासित सच क ग्रहण नाहीं करत
काहेकि ओकरे बरे उ बात खरी मूरखता होत ह, उ ओन्हे
समझि नाहीं पावत काहेकि उ आतिमा क आधार पर ही
परखी जाइ सकतहीं। 15आत्मिक मनई सब बातन क निआव
कइ सकत ह, ‘मुला ओकर निआव केऊ नाहीं कइ सकत।
काहेकि पवित्तर सास्तरन कहत हीं:

16“पर्भू क मन का कउन जान सकत हय? ओका कउन
सलाह दइ सकत ह?” *यसायाह 40:13*

मुला हमरे लगे ईसू क मन बा।

मनइयन क अनुसरण उचित नाहीं

3 मुला भाइयो तथा बहिनियो, मइँ तू लोगन स वइसेन
ही बात नाहीं कइ सकेउँ जइसे आत्मिक लोगन स
करत हउँ। मोका एकरे विपरीत तोहे लोगन स वइसेन बात
करइ पड़ी जइसे संसारिक लोगन स कइ जात ह। यानि
ओनसे जउन अबहीं मसीह मँ बच्चा अहइँ। 2मइँ तोहे पियइ
क दूध दिहेउँ, ठोस आहार नाहीं, काहेकि तू अबहीं ओका
खाइ नाहीं सकत रहे्या अउर न तउ तू एका आजउ खाइ
सकत अहा 3काहेकि तू अबहिं तलक संसारी अहा। का तू
संसारी नाहीं अहा? जबकि तोहमें आपसी इरसा अउर कलह
मउजूद बा। अउर तू संसारिक मनइयन जइसा व्यवहार करत
अहा। 4जब तोहमें स केऊ कहत ह, “मइँ पौलुस स हउँ”
अउर दुसर कहत ह, “मइँ अपुल्लोस क हउँ” तउ का तू
संसारिक मनइयन क स आचरण नाहीं करत्या?

5अच्छा त बतावा अपुल्लोस का अहइ अउर पौलुस का
अहइ? हम तउ केवल उ सेवक अही जेकरे द्वारा तू
बिसवास किहे अहा। हमरे मँ स हर एक बस उ काम
किहेस जउन पर्भू हमका सौंपे रहा। 6मइँ बीज बोएउँ,
अपुल्लौस तउ ओका सींचेस, मुला ओकर बढ़वार तउ
परमेस्सर किहस। 7इहइ प्रकार न तउ उ जे बोएस, बड़ा बा,
अउर नाहीं उ जउन ओका सींचेस, मुला बड़ा तउ परमेस्सर
अहइ जउन एनका बड़ा किहेस। 8उ जे बोवत ह अउर उ
जउन सींचत ह, दुन्नऊँ क प्रयोजन समान बा। तउन हर एक
अपने कामन क परिश्रम क अनुसारइ फल पइहीं। 9परमेस्सर

“अगर … करइ” यिर्म. 9:24

क सेवा मँ हम सब सहकर्मी अही। तू परमेस्सर क खेत
अहा। अउर तू परमेस्सर क मंदिर अहा।

10परमेस्सर क ओह अनुग्रह क अनुसार जउन मोका दिहा
गवा रहा, मइँ एक कुसल प्रमुख सिल्पी क रूप मँ नींव
डालेउँ मुला ओह पइ निर्माण तउ केऊ अउरइ करत ह,
मुल हर एक क सावधानी क साथे धियान रखइ चाही कि
उ ओह पर निर्माण कइसे करत बा। 11काहेकि जउन नींव
डाली गइ बा उ खुद ईसू मसीह ही अहइ अउर ओसे
अलग दूसर नींव केऊ बनाइ नाहीं सकत।

12अगर लोग ओह नींव पर निर्माण करत ही, फिन चाहे
उ पचे ओहमे सोंना लगावइँ, चांदी लगावइँ बहुमूल्य रतन
लगावइँ, लकड़ी लगावइ, फूस लगावइँ या तिनका क
प्रयोग करइँ, 13हर मनई क काम स्पस्ट रूप स देखाँइ देइ।
काहेकि उ दिन ओका उजागर कइ देइ। काहेकि उ दिन
जुवाला क साथे परगट होइ अउर उहइ जुवाला हर मनई
क कामन क परखी कि उ सबइ काम कइसेन बाटेन।
14अगर ओह नींव पर कउनउ मनई क करमन क रचना
टिकाऊ होइ

15तउ उ ओकर प्रतिफल पाइ अउर अगर कीहीउँ क
काम ओह जुवाला मँ भसम होइ जाइ तउ ओका हानि
उठावइ क होइ। मुला फिन भी उ खुद वइसेनही बचि
निकरी जइसे कउनउ आगी स बरत भए भकान स पराइके
बचत ह।

16का तू नाहीं जानत अहा कि तू पचे खुद परमेस्सर क
मंदिर अहा अउर परमेस्सर क आतिमा तोहमें निवास करत
ह? 17अगर केऊ परमेस्सर क मंदिर क हानि पहुँचावत ह
तउ परमेस्सर ओका नस्ट कइ देउ। काहेकि परमेस्सर क
मंदिर तउ पवित्तर बा। हाँ, तू ही तउ उ मंदिर अहा।

18अपने आपके जिन छला, अगर तोहमें स केउ इ
सोचत ह कि इह जुगे क मानदंड क अनुसार उहइ बुद्धिमान
बा तउ ओका बस वइसेन ही मूर्ख बना रहइ चाही ताकि उ
सही मँ बुद्धिमान बनि जाइ, 19काहेकि परमेस्सर क दिस्टी
मँ संसारिक चतुराई मूरखता अहइ। पवित्तर सास्तर कहत ह,
“उहइ (परमेस्सर!) फँसाइ देत ह बुद्धिमानन क ओनकेन ही
चतुराई मँ।” 20अउर फिन, “जानत ह पर्भू बुद्धिमानन क
बिचार सब केउ काम क न अहइँ। 21इही बरे मनइयन पर
कींहीउ क गरब न करइ चाही काहेकि इ सब कछू तोहार
तउ अहइँ। 22फिन चाहे उ पौलुस होइ, अपुल्लोस होइ या
पतरस चाहे संसार होइ, जीवन होइ, या मउत होइ, चाहे इ
आज क बात होइ या आवइवाले भियान क। सब कछू
तोहरइ ही अहइ। 23अउर तू मसीह क अहा अउर मसीह
परमेस्सर क।

मसीह क संदेस वाहक

4 हमरे बारे मँ कीहीउ मनई कएँ तरह सोचइ चाही कि
हम लोग मसीह क सेवक अही। परमेस्सर तउ हमका
अउर रहस्यमय सत्य सौंपे अहइ। 2अउर फिन जेका इ रहस्य
सौंपे अहइ, ओन पर इ दायित्व भी बा कि उ पचे बिसवास
क जोग्ग होइँ। 3मोका एँकर तनिकउ चिंता नाहीं बा कि तू
लोग मोर निआव करा या मनइयन क कउनउ अउर
अदालत। ना मइँ खुद आपन निआव करत हउँ। 4काहेकि
मोर मन साफ बा। मुला इहइ कारण मइँ छूट नाहीं जाइत।
पर्भू उ अहइ जउन निआव करत ह। 5इही बरे ठीक समइ
आवइ स पहिले मतलब जब तलक पर्भू न आइ जाइ, तब
तलक कीहीउ बात क निआव जिन करा। उहइ अंधियारे मँ
छिपी बातन क उजागर करी अउर उ मने क प्रेरणा क
परगट करी। ओह समइ परमेस्सर कइँती स हर कीहीउ क
उपयुक्त प्रसंसा होइ।

6भाइयो तथा बहिनियो, मइँ इन बातन क अपुल्लोस पर
अउर खुद अपने पर तू लोगन क बरे ही चरितार्थ किहे
अहउँ ताकि तू पचे हमार उदाहरण देखत भए इन बातन क
परे जिनजा जउन सास्तरन मँ लीख बा। ताकि एक मनई क
पच्छ लेत अउर दुसरे क विरोध करत भए अहंकार मँ न
भरि जा। 7कउन कहत ह कि तू कीहीउ दूसरे स जियादा
अच्छा अहा। तोहरे लगे आपन अइसेन का बा? जउन तोहे
दिहा नाहीं गवा बा? अउर जब तोहे सब कछू कीहीउ क
जरिये दीन्ह गवा बा तउ फिन एँह रूप मँ अभिमान कउने
बात क कि जइसेन तू कउने स कछू पाए ही न अहा।

8तू लोग सोचत अहा कि जेह कउनउ चीज क तोहे
जरूरत रही, अब उ सब कछू तोहरे लगे बा। तू सोचत ह
अब तू सम्पन्न होइ गवा। तू हमरे बिना ही राजा बनि
बइठ्या। केतना अच्छा होत कि तू सही मँ राजा होत्या
ताकि तोहरे साथे हमहूँ राज्य करित। 9काहेकि मोर बिचार
बा कि परमेस्सर हम प्रेरितन क करम-छेत्र मँ उन लोगन क
समान सबसे अन्त मँ स्थान दिहे अहइ जेनका मउत क
सजा दीन्ह जाइ चुकी बा। काहेकि हम पूरा संसार, सरगदूतन
अउर लोगन क सामने तमासा बना अही। 10हम मसीह क
बरे मूरख बना अही मुला तू लोग मसीह मँ बहुत बुद्धिमान
अहा। हम कमजोर अही मुला तू तउ बहोत सबल अहा। तू
सम्मानित अहा अउर हम अपमानित। 11एँह घड़ी तक हम
भूखा पियासा अही। फटा-पुरान चिथड़ा पहिने अही। हमका
मारा गवा। हम बेघरे क अही। 12आपन हाथन स काम
कइके हम मेहनत-मजदूरी करित ह। 13गाली खाइके भी
हम आसीर्बाद देइत ह। सतावा जाइ प हम ओका सहित ह।
जब हमार बदनामी होइ जात ह, हम तब भी मीठा बोलित
ह। हम अबहूँ जइसेन एह दुनिया क मल-फेन अउर कूड़ा
कचरा बना भआ अही।

14तोहे सबन क लज्जित करइ क बरे मइँ इ नाहीं लिखत
हउँ। बल्कि आपन पिआरे बच्चन क रूप मँ तोहे सबन क
चेतावनी देत हउँ। 15काहेकि चाहे तोहरे लगे मसीह मँ तोहरे
दसउ हजार सिच्छक मौजूद अहइँ, मुला तोहार पिता तउ
अनेक नाहीं अहइ। काहेकि सुसमाचार द्वारा मसीह ईसू मँ
मइँ तोहार पिता बना हउँ 16इही बरे तोहसे मोर आग्रह बा,
मोर अनुकरण करा। 17मइँ इही बरे तीमुथियुस क तोहरे
लगे भेजे रहेउँ। उ पर्भू मँ स्थित मोर पिआरा अउर
बिसबास करइ जोग्ग बेटवा अहइ। मसीह ईसू मँ मोर
आचरण क उ तोहे सबन क याद देवाइ। जेका मइँ हर
कहूँ, हर कलीसियन मँ उपदेस दिहे हउँ।

18कछू लोगन अंधकारे मँ एँह तहर फूल उठा अहइँ इ
सोच कर कि मइँ न आउब। 19अगर परमेस्सर चाहेस तउ

जल्दी ही मइँ तोहरे लगे अउबइ अउर फिन अंहकार मँ फूला ओन लोगन क मात्र वाचालता क नाहीं बल्कि ओनकर सक्ति क देख लेबइ। 20काहेकि परमेस्सर क राज्य वाचालता पर नाहीं, सक्ती पर टिका बा।

21तू पचे का चाहत अहा:
हाथ मँ पिरेम अउर छड़ी थामे आउब मइँ तोहरे लगे,
कोमल आतिमा साथे मँ लइ आउब?

कलीसिया मँ दुराचार

5 सहीयउ मँ अइसेन बतावा गवा बा कि तू लोगन मँ दुराचार फइला भआ बा। अइसेन दुराचार-व्यभिचार तउ अधर्मियन तक मँ नाहीं मिलत। जइसेन केऊ तउ आपन बिमाता तक क साथ सहवास करत ह। 2अउर फिन तू लोग अभिमान मँ फूला भआ अहा। मुला का तोहे एकरे बरे दुखी न होइ चाही? जे केऊ दुराचार करत ह ओका तउ तू पचे अपने बीच स निकाल बाहेर करइ चाही। 3मइँ जद्यपि सारीरिक रूप स तोहरे बीच नाहीं अही मुला आत्मिक रूप स तउ हुवँइ हाजिर अही। अउर माना ऊहा हाजिर रहत भआ जे अइसेन खराब काम किहे अहइँ, ओकरे विरुद्ध मइँ आपन इ निर्णय दइ चुका अही 4कि जब तू हमरे साथे हमार पर्भू ईसू क नाउँ मँ हमार आतिमा अउर हमार पर्भू ईसू क सक्ति क साथे इकट्ठा होब्या। 5तउ अइसेन मनई क ओकर भौतिल मानुस सुभाउ क खराब कइ डालइ बरे सइतान क सौंप दीन्हा जाइँ ताकि पर्भू क दिना ओनके आतिमा क बचावा जाइ सकइ।

6तोहार इ बड़बोलापन अच्छा नाहीं बा। तू एह कहावत क त जानतही अहा, “तनिक खमीर आटा क पूरा लउँदा क खमीरमय कइ देत ह।” 7पुराने खमीर स छुटकारा पावा ताकि तू आटा क नया लौंदा बनि सका। तू तउ बिना खमीरवाली फसह क रोटी क समान ह्वा। हमका पवित्तर करइके बरे मसीह को फसह क मेमने क रूप मँ बलि चढ़ाइ दीन्ह गवा। 8इही बरे आवा हम आपन फसह क त्यौहार बुराइ अउर दुस्टतइ स युक्त पुरा खमीर क रोटी स नाहीं बल्कि निस्ठा अउर सत्य स युक्त बिन खमीर क रोटी स मनाई।

9अपने पिछले चिठ्ठी मँ मइँ लिखे रहेउँ कि तोहे ओन लोगन स आपन नाता नाहीं रखइ चाही जउन व्यभिचारी अहइँ। 10मोर इ प्रयोजन बिल्कूल नाहीं रहा कि तू एँह दुनिया क व्यभिचारियन, लोभी लोगन, ठगन या मूर्ति पूजकन स कउनउ सम्बन्ध ही जिन रखा। अइसेन होइ पइ तउ तोहे सबन क इ संसार स ही निकरि जाइ क होइ।

11मुला मइँ तोहे सबन क जउन लिखेउ ह उ इ अहइ कि कउनउ अइसेन मनई स नाता न रखा जउन अपने आपक मसीही बन्धु कहवाइ क भी व्यभिचारी, लोभी; मूर्ति पूजकन, चुगलखोर, पियक्कड़ या एक ठग अहइँ। अइसेन मनई क साथे त भोजन भी ग्रहण जिन करा।

12जउन लोग बाहेर क बाटेन, कलीसिया क नाहीं, ओनकर निआव करइके-भला मोर का काम। का तोहे ओन्हीन क निआव न करइ चाही जउन कलीसिया क भित्तर क अहइँ? 13कलीसिया क बाहेरवालन क निआव तउ परमेस्सर ही करी। पवित्तर सास्तर कहत ह, “अपने बीच से, तू पापी क निकार बाहर करा।”*

आपसइ क विवादन क निपटारा

6 का तोहरे मँ स केउ अइसेन बा जउन अपने साथी क साथे केउ झगड़ा होइ पे परमेस्सर क पवित्तर मनइयन क लगे न जाइके अधर्मी लोगन क अदालत मँ जाइके साहस करत होइ? 2या का तू पचे इ नाहीं जानत अहा कि परमेस्सर क पवित्तर मनई ही सारे संसार क निआव करिहीं? अउर जब तोहरे जरिये समूचइ संसार क निआव किन्ह जाइ क बाटइ तउ का इन छोट-छोट बातन क निआव करइ जोग्ग तू नाहीं अहा? 3का तू नाहीं जानत अहा कि हम सरगदूतन क भी निआव करबइ? फिन इ जीवन क इन रोजमर्रा क छोट-मोट बातन क त कहबइ ही का। 4अगर हर दिन तोहरे बीच कउनउ न कउनउ विवाद रहतइ ही रहत ह तउ का न्यायाधीस क रूप मँ तू पचे अइसेन मनइयन क नियुक्ति करब्या जेनकर कलीसिया मँ कउनउ स्थान नाहीं बा। 5इ मइँ तोहसे एँह बरे कहत हउँ कि तोहे सबन क कछू लाज आवइ। का स्थिति एँतही बिगड़ि चुकि बा कि तोहरे बीच केऊ अइसेन बुद्धिमान मनइ अहइ नाहीं जउन अपने मसीही भाइयन क आपसी झगड़ा सुलझाइ सकइ? 6का एक भाई कबहूँ अपने दुसरे भाई स मुकद्दमा लड़त रहा! अउर तू तउ अबिसवासियन क सामने अइसा करत रहे रह्या।

7असलियत मँ तोहार पराजय तउ इही मँ होइ चुकी कि तोहरे बीच आपस मँ एक दूसरे क खिलाफ कानूनी मुकदमा अहइँ। एकरे स्थान पर तू आपस मँ अनिआव ही काहे नाहीं सही लेत्या? अपने आप क काहे नाहीं लुटि जाइ देत्या। 8अरे अनिआव तू तउ खुदइ करत अहा अउर अपने ही मसीही भाइयन क लूटत अहा।

9अउर का तू नाहीं जानत अहा कि खराब लोग परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकार न पइहीं? अपने आप को धोखा न द्या। व्यभिचार करइवाला, मूर्तिपूजक, व्यभिचार, गुदा-भंजन करइवाला, लौंडेबाज, 10लुटेरे, लालची, पियक्कड़ चुगलखोर अउर ठग परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकारीन होइहीं। 11तोहमें स कछू अइसेन ही रहेन। मुला अब तोहे सबन क धोइ-मांजिके पवित्तर कइ दिहे हउँ। तोहे परमेस्सर क सेवाँ मँ अरपित कइ दीन्हा वा बा। पर्भू ईसू मसीह क नाउँ अउर हमरे परमेस्सर क आतिमा क द्वारा ओन्हे धर्मी करार दीन्हा जाइ चुका बा।

अपने सरीरी क परमेस्सर क महिमा मँ लगावा

12“मइँ कछू भी करइ क स्वतन्त्र हउँ” मुला हर कउनउ बात हितकर नाहीं होत। हाँ, “मइँ सब कछू करइ क स्वतन्त्र हउँ” मुला मइँ अपने पर कीहीउ क हावी न होइ देब। 13कहा जात ह, “भोजन पेट क बरे बा, अउर पेट भोजन क बरे।’” मुला परमेस्सर इन दुन्नउ क ही समाप्त कइ देई। अउर हमरे सारीरिक तउ भी व्यभिचार क बरे नाहीं बा

“अपने … करा” व्यवस्था 22:21, 24

बल्कि पर्भू क सेवा क बरे बा। अउर पर्भू हमार देह क
कल्लियान क बरे बा। 14परमेस्सर न केवल पर्भू क ही
पुनर्जीवित नाहीं किहेस बल्कि आपन सक्ति स उ मउत स
हम सबे कभी जियाइ उठाई। 15का तू नाहीं जानत अहा कि
तोहरे सरीर खुद ईसू मसीह का हिस्सा अहइ? तउ का मोका
ओन्हे, जउन मसीह क अंग हयेन, कउनउ वेस्या क अंग
बनाइ देइ चाही? 16निस्चय ही नाहीं। अउर का तू इ नाहीं
जानत अहा, कि जउन अपने आपके वेस्या स जोड़त ह, उ
ओकरे साथे एक देह होइ जात ह। पवित्तर सास्तरन मँ कहा
गवा बा: "काहेकि उ दुन्नऊ एक होइ जइ हीं,"* 17मुला
उ जउन आपन लौ पर्भू स लगावत ह, उ आतिमा मँ
एकाकर होइ जात ह।

18व्यभिचार स दूर रहा। दुसरे सभन पाप जेका एक मनई
करत ह, ओकरे सरीर स बाहेर होत हीं मुला अइसेन मनई
जउन व्यभिचार करत ह उ तउ अपने सरीर क विरुद्ध पाप
करत ह। 19अउर का तू नाहीं जानत अहा कि तोहार सरीर
ओह पवित्तर आतिमा क मंदिर अहइ जेका तू परमेस्सर स
पाए अहा अउर जेका तू आपन बनाइ क न रख सक्या।
अउर उ आतिमा तोहार आपन नाहीं बा।

20काहेकि परमेस्सर तोहे सबन क कीमत चुकाइ क
खरीदे अहइ इही बरे अपने सरीर क द्वारा परमेस्सर क
इज्जत कर।

बियाह

7 अब इन बातन क बारे मँ जउन तू लिखे रह्या: अच्छा
इ बा कि कउनउ मनई कीहीउ स्त्री स बियाह न
करइ। 2मुला यौन अनैतिकता क घटना क सम्भावनावन क
कारण हर पुरुस क आपन पत्नी होइ चाही अउर हर स्त्री
क आपन पति। 3पति क चाही कि पत्नी क रूप मँ जउन
कछू पत्नी क अधिकार बनत ह, ओका देइ। अउर इही
तरह पत्नी क भी चाही कि पति क ओकर यथोचित प्रदान
करइ। 4अपने सरीर पर पत्नी क कउनउ अधिकार नाहीं बा,
बल्कि ओकरे पति क बा। अउर इही तरह पति क ओकरे
अपने सरीर पर कउनउ अधिकार नाहीं बा, बल्कि ओकरे
पत्नी क अहइ। 5अपने आप क पराथना मँ समर्पित करइ
क बरे थोड़े समइ तक एक दूसरे स समागम न करइ क
आपसी सहमति क छोड़िके, एक दूसरे क संभोग स वंचित
जिन करा। फिन आतिमा संयम क अभाउ क कारण कहूँ
सइतान तोहे कउनउ परीच्छा मँ न डालि देइ, इही बरे तू
फिन समागम कइ ल्या। 6मइँ इ एक छूट क रूप मँ कहत
रहत हउँ, आदेस क रूपें मँ नाहीं।

7मइँ तउ चाहित हउँ सभन लोग मोरे जइसेन होतेन।
मुला हर मनई क परमेस्सर स एक विंशेष बरदान मिला बा।
कीहीउ क जिअइ क एक ढंग बात त दुसरे क दूसर।

8अब मोका अविवाहितन अउर विधवा क बारे मँ इ
कहब बा: अगर उ हमरे समान अकेल ही रहइँ तउ ओकरे
बरे इ अच्छा रही। 9मुला अगर उ पचे अपने आप पर
काबू न रख सकइँ तउ ओन्हे बियाह कइ लेइ चाही,
काहेकि वासना क आग मँ जलत रहइ स विआह कइ लेब
अच्छा बा।

10अब जउन विवाहित अहउँ ओनका हमार ई आदेस बा,
यद्यपि इ हमार नाहीं बा बल्कि पर्भू क आदेस बा कि
कउनउ पत्नी आपन पति क न तियागइ चाही। 11मुला
अगर उ ओका छोड़िही देइ तउ ओका फिन अनब्याहा ही
रहइ चाही या अपने पति स मेल-मिलाप कइ लेइ चाही।
अउर अइसेन ही पती क अपनी पत्नी क छोड़इ न चाही।

12अब सेस लोगन स मोर इ कहब बा: (ई मइँ कहत
हउँ न कि पर्भू) अगर कि कउनो मसीही भाई क कउनउ
अइसी पत्नी बा जउन एँह मते मँ बिसवास नाहीं रखत अउर
ओकरे साथे रहइ क सहमत बा त ओका तियाग देइ चाही।
13अइसेन ही अगर कउनो स्त्री क कउनउ अइसेन पति बा
जउन पथ क बिसवासी नाहीं अहइ मुला ओकरे साथे रहइ
क सहमत बा त ओह स्त्री क भी आपन पति तियागइ न
चाही। 14काहेकि उ अबिसवासी पति बिसवासी पत्नी क
लगे क सम्बन्ध क कारण पवित्तर होइ जात ह अउर इही
तरह उ अबिसवासी पत्नी अपने बिसवासी पति क हमेसा
साथ रहे स पवित्तर होइ जात ह। नाहीं तउ तोहार सन्तान
अस्वच्छ होइ जात मुला अब तउ उ पचे पवित्तर बाटेन।

15फिन भी अगर केउ अविसवासी अलग होइ चाहत ह
तउ उ अलग होइ सकत ह। अइसन स्थितियन मँ कउनो
मसीह भाई या बहिन पर कउनउ बंधन लागू न होई।
परमेस्सर हमका सान्ति क साथे रहइ क बोलाए अहइ। 16हे
पत्नियो, का तू पचे जानत अहा।? होई सकत ह तू अपने
अबिसवासी पति क बचाइ ल्या। हे पति, का तू जानत ह?
होइ सकत ह तू अपने अबिसवासी पत्ती क बचाइ ल्या।

जइसन अहा, वइसेइ जिआ

17पर्भू जेका जइसेन दिहे अहइ अउर जेका जेह रूप मँ
चुनें अहइ, ओका वइसेन ही जियइ चाही। सभन कलीसियन
मँ मइँ इही क आदेस देत हउँ। 18जब किहू क परमेस्सर क
द्वार बोलावा गवा, तब अगर उ खतना युक्त रहा तब
ओका आपन खतना छिपावइ न चाही। अउर किहू क
अइसेन दसा मँ बोलावा गवा जब उ बिना खतना क रहा
तउ ओकर खतना करावइ न चाही। 19खतना तउ कछू
नाहीं बाटइ अउर न ही खतना न होब कछू बा। बल्कि
परमेस्सर क आदेसन क पालन करब ही सब कछू अहइ।
20हरि किहू क उही स्थिति मँ रहइ चाही, जेहमें ओक
बोलावा गवा बा। 21का तोहे सबन क दास क रूप मँ
बोलावा गवा बा? तू एकर चिन्ता जिन करा। मुला अगर तू
स्वतंत्र होई सकत ह तउ आगे बढ़ अउर अवसर क लाभ
उठावा। 22काहेकि जेका पर्भू क दास क रूप मँ बोलावा
गवा, उ तउ पर्भू क स्वतंत्र मनई अहइ। इही तरह जेका
स्वतंत्र मनई क रूप मँ बोलावा गवा, उ मसीह क दास
अहइ। 23परमेस्सर कीमत चुकाइके तोहे सबन क खरीदे
बाटइ। इही बरे मनइयन क दास न बना। 24भाइयो, तोहे
जउने स्थिति मँ बोलावा गवा बा, परमेस्सर की सामने उही
स्थिति मँ रहा।

"काहेकि ... जइ ही" उत्पत्ति 2:24

बियाह करइ सम्बन्धी प्रस्नन क उत्तर

25अविवाहितन क सम्बन्ध मँ पर्भू कइँती स मोका कउनो
आदेस नाहीं मिला बा। इही बरे मइँ पर्भू क दया पाइके
बिसवासी होइ क कारण आपन राय देत हउँ। 26मइँ सोचत
हउँ कि एह वर्तमान संकट क कारण इहइ अच्छा बा कि
कउनउ मनई मोरे समान ही अकेला रहइ। 27अगर तू
विवाहित अहा तउ ओसे छुटकारा पावइ क यत्न जिन करा।
अगर तू पत्नी स मुक्त अहा तउ ओका खोजा न। 28मुला
अगर तोहार जीवन विवाहित बा तउ तू कउनउ पाप नाहीं
किहे अहा। अउर अगर कउनउ कन्या बियाह करत ह, तउ
कउनउ पाप नाहीं करत ह मुला अइसेन लोग सरीरीक
कस्ट उठइहीं जेनसे मइँ तोहे सबन क बचावइ चाहत हउँ।

29भाइयो तथा बहिनियो, मइँ तउ इहइ कहत हउँ, समइ
बहुत कम बा। इही बरे अब आगे, जेनके लगे पत्नियन
अहइँ उ पचे अइसन ही रहइँ, माना उनके पास पत्नियन
हइयइ नाहीं हइन। 30अउर उ सबइ जउन विलखत अहइँ उ
पचे, अइसेन रहइँ, माना कबहूँ दुखही न भवा होइ। अउर
जउन आनन्दित हयेन, उ पचे अइसेन रहइँ, माना खुसइ नाहीं
भवा रहेन। अउर उ पचे जउन चीज मोल लेत हीं, अइसेन
रहइ माना ओनके लगे कछुउ न होइ। 31अउर जउन
संसारिक सुख-बिलासन क भोग करत हयेन, उ पचे अइसेन
रहइँ, माना उ पचे चीज ओनके बरे कउनउ महत्व नाहीं
रखत। काहेकि इ संसार अपने वर्तमान सरूप मँ नासवान
बा। 32मइँ चाहत हउँ आप लोग सबइ चिन्ता स मुक्त रहा।
एक अविवाहित मनई पर्भू सम्बधी विसयन क चिन्तन मँ
लगा रहत ह कि उ पर्भू क कइसे खुस करइ। 33मुला एक
विवाहित मनई संसारिक विसयन मँ ही लिप्त रहत ह कि उ
आपन पत्नी क कइसे खुस कइ सकत ह। 34एह तरह
ओकर व्यक्तित्व बँटि जात ह। अउर अइसेन कउनउ
अविवाहित पत्नी या कुंआरी कन्या क जेका बस पर्भू
सम्बन्धी विसयन क ही चिन्ता रहत ह। जेहसे उ अपने सरीर
अउर आपन आतिमा स पवित्तर होइ सकइ। मुला एक
विवाहित स्त्री संसारिक विसय भोगन मँ एँह तरह लिप्त रहत
ह कि उ अपने पति क रिझावत रहि सकइ। 35इ मइँ तोहसे
तोहरे भले क बरे ही कहत हउँ तोह पर बन्धन लगावे क
बरे नाहीं। बल्कि अच्छी व्यवस्था क हित मँ अउर इही बरे
कि तू चित्त क चंचलता क बिना पर्भू क समर्पित होइ
सका।

36अगर केउ सोचत ह कि उ आपन जवान होइ चुकी
कुंआरी बिटिया क बरे उचित नाहीं करत बा अउर अगर
ओकर काम भावना तेज बा, अउर दुन्नऊ क ही आगे
बढ़िके बियाह कइ लेइ क जरूरत बा, तउ जइसन उ चाहत
ह, ओका आगे बढ़िके वइसेन ही कइ लेइ चाही उ पाप
नाहीं करत बा। ओका बियाह कइ लेइ चाही। 37मुला जउन
अपने मने मँ बहुत पक्का अहइ अउर जेह पर कउनउ
दबावउ नाहीं बा, बल्कि जेकर इच्छन पर पूरा बस बा अउर
जे अपने मने मँ पूरा निहचय कइ ललिहे बा कि अपने प्रिया
स बियाह न करइ तउ उ अच्छा ही करत बा। 38तउ उ
जउन आपन प्रिया स बियाह नाहीं करत उ अउर भी अच्छा
करत ह।

39जब तलक किहउ स्त्री क पति जिन्दा रहत ह, तबउ
तलक उ बियाह क बन्धन मँ बंधी होत ह मुला अगर
ओकरे पति क मउत होइ जात ह, तउ जेकरे साथे चाहइ
बियाह करइ, उ स्वतन्त्र बा मुला केवल पर्भू मँ। 40पर
अगर जइसेन उ बा वइसेन ही रहत ह, त जियादा खुस रही।
इ मोर विचार अहइ। अउर मइँ सोचत अहउँ कि मोहूँ मँ
परमेस्सर क आतिमा क ही निवास अहइ।

चढ़ावइ क भोजन

8 जब मूर्तियन पर चढ़ाइ गइ बलि क बारे मँ: हम इ
जानित ह, "हम सबहिं गियानी अही।" "गियान" लोगन
क अहंकार स भरि देत ह। मुला पिरेम स मनई अधिक
सक्तिसाली बनत ह। 2अगर केऊँ सोचइ कि उ कछू जानत
ह तउ जेका जानइ चाही ओकरे बारे मँ तउ ऊ अबहुँ कछू
जनबइ नाहीं करत। 3अगर केउ परमेस्सर क पिरेम करत ह
त उ परमेस्सर क जरिये जाना जात ह।

4तउन मूरर्तियन पर चढ़ावा गवा भोजन क बारे मँ हम
जानत अही कि एह संसारे मँ मूरति का अस्तित्व नाहीं बा।
अउर इ कि "परमेस्सर केवल एक्कइ अहइ।" 5अउर
धरती या आकास मँ जद्यपि अइसेन ही देवता बहुत स
अहइँ (बहुत स "देवता" हयेन, बहत स "पर्भू" हयेन।)
6मुला हमरे बरे तउ एक्कइ परमेस्सर बा, हमार पिता। उही
स सब कछू आवत ही अहइ। अउर ऊही क बरे हम
जिअत अही। पर्भू केवल एक अहइ, ईसू मसीह। उही क
द्वारा सब चीजन क आस्तित्व बा अउर ऊही क जरिये
हमार जीवन बा।

7मुला इ गियान सब कीहीउ क लगे नाहीं अहइ। कछू
लोग जउन अब तलक मूर्ति पूजा क आदी अहइँ, अइसेन
चीजन खात हीं अउर सोचत हीं जइसेन माना उ चीज मूर्ति
क प्रसाद अहइ। ओनके इ करमे स ओनकर आतिमा
कमजोर होइ क कारण दूसित होइ जात ह। 8मुला उ प्रसाद
तउ हमका परमेस्सर क लगे न लइ जाइ। अगर हम ओका
नहीं खाइ तउ कछू घटी नाहीं जात अउर अगर खाई तउ
कछू बढ़ नाहीं जात।

9सावधान रहा। कहूँ तोहर इ अधिकार ओकरे बरे, जउन
कमजोर बाटेन, पाप मँ गिरइ क कारण न बन जाइ।
10काहेकि कमजोर बिसवास क कउनउ मनई अगर तोहे
जइसेन इ बिसय क जानकार क मूर्तिवाला मंदिर मँ खात
भआ देखत ह तउ ओकर दुर्बल मन का ओह हद तलक न
भटकि जाई कि उ मूर्ति पर बलि चढ़ाइ गइ चीजन क
खाइ लागेन। 11तोहरे गियान स, कमजोर मने क मनई क
तउ नास ही होइ जाइ तोहरे उहीं बन्धु क, जेकरे बरे मसीह
तउ जान दइ दिहेस। 12इही तरह अपने भाइयन अउर
बहिनियन क विरुद्ध पाप करत भए अउर ओनके कमजोर
मने क चोट पहुँचावत भए तू लोग मसीह क विरुद्ध पाप
करत अहा। 13एँह बरे अगर भोजन मोरे भाई क पाप क
राह पर बढ़ावत ह तउ मइँ फिन कभउँ माँस न खाबइ
ताकि मइँ अपने भाई क बरे, पाप करइ क कारण न
बनउँ।

पौलुस भी दुसरे प्रेरितन जइसा अहइ

9 का मइँ स्वतन्त्र नाहीं हउँ? का मइँ भी एक प्रेरित
नाहीं हऊँ? का मइँ हमार पर्भू ईसू मसीह क दर्सन
नाहीं किहे अहउँ? का तू लोग पर्भू मँ मोर इ करम क
उदाहरण नाहीं अहा।? 2चाहे दुसरन क बरे मइँ प्रेरित न भी
होउँ तबउ मइँ तोहरे बरे त प्रेरित हउँ। काहेकि तू एक
अइसेन मोहर क समान अहा जउन पर्भू मँ मोरे प्रेरित होइ
क प्रमाणित करत ह।

3उ लोग जउन मोर जाँच करइ चाहत हीं, ओनके बरे
आपन आत्मरच्छा मँ मोर उत्तर इ अहइ: 4का हमका खाइ
पियइ क अधिकार नाहीं बाटइ? 5का हमका इ अधिकार
नाहीं कि कउनो बिसवासिनी पत्नी क हम अपने साथे लइ
जाइ? जइसेन क दूसर प्रेरित, पर्भू क बन्धु अउर पतरस
किहे रहेन। 6अउर का बरनाबास अउर मोरे लगे ही इ
अधिकार बा कि आपन आजीविका कमाइ क बरे हम
कउनउ काम न करीं? 7सेना मँ अइसेन के होइ जउन एक
सिपाही क रूपे मँ अपने क वेतन देइ। अउर के होइ जउन
अंगूर क बगिया लगाइके ओकर फल न चखी? या कउन
अइसा अहइ जउन भेड़न क खरका क देखभाल न करत
होइ पर ओकर दूध न पीअत होइ?

8का हम मानवीय चिन्तन क रूपे मँ ही अइसेन करत
हई? आखिरकार का व्यवस्था क विधान भी अइसेन नाहीं
कहत? 9मूसा क व्यवस्था मँ लिखा बा, “खरिहाने मँ बरधा
क मुँह जिन बाँधा।”* का परमेस्सर केवल बरधन क बारे
मँ बतावत अहइ? 10(निस्चित रूप स उ एका क हमरे बरे
नाहीं बतावत अहइ? हाँ, इ) हमरे बरे ही लिखा गवा रहा।
काहेकि खेत जोतइवाला कीहीउ आसा स ही खेत जोतइ
अउर खरिहाने मँ भूसा स अनाज अलगावइवाला फसल क
कछू भाग पावइ क आसा तउ रखी। 11फिन अगर हम
तोहरे हिते क बरे आत्मिक बिया बोए अही तउ हम तोहसे
भौतिक चीजन क फसल काटइ चाहित ह, इ का कउनउ
बहुत बड़ी बात बा? 12अगर दूसर लोग तोहसे भौतिक
चीजन पावइ क अधिकार रखत हीं तउ हमार तउ तोह पइ
का अउर भी जियादा अधिकार नाहीं बा? मुला हम इ
अधिकार क उपयोग नाहीं किहे अही। बल्कि हम तउ सब
कछू सहत रहे ताकि हम मसीह क सुसमाचार क रस्ता मँ
कउनउ बाधा न डाली देइ। 13का तू नाहीं जानत बाटया कि
जउन लोग मंदिर मँ काम करत हीं उ पचे आपन खाना
मंदिर स ही पावत हीं। अउर जउन नियमित रूप स वेदी क
सेवा करत हीं वेदी क चढ़ावा मँ ओनकर हिस्सा होत ह?
14इही तरह पर्भू व्यवस्था दिहे अहइ कि सुसमाचार क
प्रचारकन क आजीविका सुसमाचार क प्रचार स ही होइ
चाही।

15मुला ओन्हन अधिकारन मँ स मइँ एक क कभउँ
प्रयोग नाहीं किहेउँ। अउर इ बात मइँ एँह बरे लिखेउँ नाहीं
कि अइसेन कछू मोरे बिसय मँ कीन्हा जाई। बजाय एकरे
कि कउनउ मोसे ओह बात केउ छीन लेइ जेकर मोका
गरब बा। ऐसे तउ मइँ मरि जाब ही ठीक समझब। 16एह
बरे अगर मइँ सुसमाचार क प्रचार करित ह तउ एहमाँ
मोका गरब करइके कउनउ हेतु नाहीं बा काहेकि मोर त इ
कर्तव्य बा। अउर अगर मइँ सुसमाचार क प्रचार न करउँ
तउ मोरे बरे इ केतना खराब होइ। 17फिन अगर इ मइँ
अपने इच्छा स करित ह तउ मइँ एकर पुरस्कार पावइ योग्ग
हई, परन्तु अगर आपन इच्छा स नाहीं बल्कि कउनो
नियुक्ति क कारण इ काम मोका सौंपा गवा ह। 18तउ फिन
मोर पुरस्कार काहे क? इही बरे जब मइँ सुसमाचार क
प्रचार करीत हउँ बिना कउनउ मूल लिहे ही ओका करउँ।
ताकि सुसमाचार क प्रचार मँ जउन कछू पावइ क मोर
अधिकार बा, मइँ ओकर कुल उपयोग न करउँ।

19जद्यपि मइँ किहू मनई क बन्धन मँ नाहीं हउँ, फन मइँ
खुद क तोहरे सबन क गुलाम बनाइ लिहे हउँ। ताकि मइँ
अधिकतर लोगन क जीत सकउँ। 20यहूदियन क बरे मइँ
एक यहूदी जइसेन बनउँ, ताकि मइँ यहूदियन क उद्धार मँ
मदद करि सकउँ मइँ खुद व्यवस्था क अधीन नाहीं अहउँ।
जउन लोग व्यवस्था क अधीन अहइँ, ओनके बरे मइँ एक
अइसेन मनई बरे जउन व्यवस्था क अधीन जइसेन बनेउँ। इ
मइँ एह बरे किहे कि मइँ व्यवस्था क अधीनन क उद्धार
करवइ मँ मदद कइ सकउँ। 21मइँ एक अइसेन मनई बने
जउन व्यवस्था क नाहीं मानत। जद्यपि मइँ परमेस्सर क
व्यवस्था स रहित नाहीं हउँ बल्कि मसीह क व्यवस्था क
अधीन हउँ। तउ कि मइँ जउन व्यवस्था क नाहीं मानत हउँ
ओन्हे जीत सकउँ। 22जउन मनइयन कमजोर अहइँ, ओनके
बरे मइँ कमजोर बनेउँ ताकि मइँ कमजोरन क उद्धार
करावइ मँ मदद कइ सकी। हर किहू क बरे मइँ हर किहू
जइसेन बनेउँ त कि हर सम्भव उपाय स ओनकर उद्धार
कइ सकउँ। 23इ सब कछू मइँ सुसमाचार क बरे करत हउँ
ताकि एकरे बरदानन मँ मोर भी कछू भाग होइ।

24का तू लोग इ नाहीं जानत अहा कि खेल क मैदान मँ
दौड़त सबहिं धावक बाटेन मुला इनाम कउनो एक क मिलत
ह। अइसेन दउड़ा कि जीत तोहार होइ सकइ। 25कउनो खेल
प्रतियोगिता मँ हर एक प्रतियोगी क हर तरह क आतिमा
संयम करब होत ह। उ एक नासमान कीर्तिमान स सम्मानित
होइ क बरे करत हीं मुला हम तउ एक अविनासी मुकुट क
पावइ बरे इ करित ह। 26एह तरह मइँ ओह मनई क समान
दौड़त हउँ जेकरे सामने एक लच्छ बा। मइँ अहइ मुक्केबाज
क तरह मुक्का मारत मारत हउँ मुला मइँ हवा मँ मुक्का
नाहीं मारत हउँ। 27बल्कि मइँ तउ आपन सरीर क कठोर
अनुसासन मँ तपाइके, ओका अपने बस मँ करत हउँ। ताकि
कहूँ अइसेन न होइ जाइ कि दुसरन क उपदेस देइ क बाद
परमेस्सर क जरिये मइँ इ बेकार ठहराइ दीन्ह जाउँ।

यहूदियन जइसेन न बना

10 भाइयो तथा बहिनियो, मइँ चाहित हउँ कि तू जान
ल्या हमरे पूर्वजन क का भवा रहा जउन मूसा क
व्यवस्था क मानत रहेन। अउर उ सबहिं बादल क छत्र
छाया मँ सुरच्छापूर्वक लाल सागर पार कइ ग रहेन।
2ओन्हन सब क बादल क नीचे अउर समुद्दर मँ मूसा क

“खरिहाने .... बाँधा” व्यवस्था 25:4

अनुयायी क रूप मँ बपतिस्मा दीन्ह गवा रहा। 3ओन सभन
क समान आत्मिक भोजन खाए रहेन। 4अउर उ सबइ समान
आत्मिक पेय पिए रहेन काहेकि उ अपने साथे चलत रही उ
आत्मिक चट्टान स ही जल ग्रहण करत रहेन। अउर उ
चट्टान रही मसीह। 5मुला ओहमें स अधिकांस लोगन स
परमेस्सर खुस नाहीं रहा, इही बरे उ पचे मरुभूमि मँ मरि
गएन।

6इ बातन अइसेन घटिन कि हमरे बरे उदाहरण सिद्ध होइ
गइन। एँहसे हम खराब बातन क कामना न करी जइसेन
ओन्हन किहे रहेन। 7मूर्ति पूजक न बना, जइसेन कि ओहमाँ
स कछू रहेन। पवित्तर सास्तरन कहत ह: "मनई खाइ पिअइ
क बरे बइठा अउर परस्पर आनन्द मनावइ क बरे उठा।।"*
8तउन आवा हम कभउँ व्यभिचार न करी जइसेन ओनमें स
कछू किहे रहेन। इही नाते ओहमें स 2,300 मनई एक्कइ
दिन मरि गएन। 9आवा हम मसीह क परिच्छा न लेइ,
जइसेन कि ओहमे स कछू जने लिहे रहेनन। परिणाम उ
लोग साँप द्वारा मारा गएन। 10सिकवा सिकायत न करा
जइसेन कि ओनमें स कछू करत रहत रहेन अउर इही
कारण विनास क सरगदूत क जरिये मार डावा गएन।

11इ बात ओनके साथे अइसेन घटी कि उदाहरण बन
जाइ। अउर ओन्हे लिख दीन्हा गवा कि हमरे बरे जेह पर
युगे क अंत उतरा भवा बा, चेतावनी रहइ। 12एह बरे जउन
इ सोचत ह कि उ मजबूती स खड़ा अहइ, ओन्हे सावधान
रहइ चाही कि उ गिर न पड़इ। 13तू पचे कउनो अइसेन
परिच्छा मँ नाहीं पड़ा अहा जउन, मनइयन क बरे सामान्य
नाहीं बा। परमेस्सर बिसवासनीय अहइ। उ तोहार सक्ति स
ज्यादा तोहे परीच्छा मँ न पड़इ देई। परीच्छा क साथे-साथे
ओसे बचइ क रस्ता भी तोहे सबन क देइ ताकि तू परीच्छा
क उत्तीर्ण कइ सका।

14हमर पिआरा दोस्तन, अंत मँ मइँ कहत हउँ मूर्ति पूजा
स दूर रहा। 15तोहे समझदार समझिके मइँ अइसेन कहत
हउँ। जउन मइँ कहत हउँ, ओका अपने आप परखा।
16धन्यबाद क उ पियाला जेकरे बरे हम धन्यबाद देत हई, उ
का मसीह क लहू (मृत्यु) मँ हमार साझेदारी नाहीं बा? उ
रोटी जेका हम तोड़त त हई, का ईसू देह मँ महमार
साझेदारी नाहीं बा? 17रोटी क होब एक अइसा तथ्य अहइ,
जेकर अर्थ बा कि हम सब एक्कइ सरीर स अही। काहेकि
ओही रोटी मँ ही हम सब का साझेदारी बाटइ।

18ओन्हन इस्त्राएलियन (यहूदियन) क बारे मँ सोचा, जउन
बलि क चीज खात हीं। का ओनकर ओह वेदी मँ साझेदारी
नाहीं अहइ? 19इ बात क मोरे कहइ क प्रयोजन का बा?
का मइँ इ कहई चाहित ह कि मूर्तियन पर चढ़ावा गवा
भोजन कछू महत्व क बाटइ? या कि मूर्ति कछू भी नाहीं
बाटइ। 20बल्कि मइँ इ कहत हउँ कि अधर्मी जउन बलि
चढ़ावत हीं, उ पचे परमेस्सर क बरे नाहीं बल्कि दुस्ट
आतिमन क बरे चढ़ावत हीं। मइँ नाहीं चाहत हउँ कि तू
पचे दुस्ट आतिमन क बरे चढ़ावाा। मइँ नाहीं चाहित्त कि तू
दुस्ट आतिमन क साझेदार बना। 21तू पर्भू क कटोरा अउर
सइतान क कटोरा मँ स एक साथ नाहीं पी सकत्या। तू
सबइ पर्भू क भोज क चौकी अउर दुस्ट आतिमन क खाना
क चौकी, दुइनउँ मँ एक साथे हींसा नाहीं बटाइ सकत्या।
22का हम पर्भू क चिढ़ावइ चाहित ह? का जेतना सक्तिसाली
उ अहइ, हम ओसे जियादा सक्तिसाली हई?

आपन स्वतन्त्रता क प्रयोग परमेस्सर क महिमा क बरे करा

23जइसेन की कहा गवा बा कि, "हम कछू भी करइ क
बरे स्वतन्त्र हई।" पर सब कछू हितकारी तउ नाहीं अहइँ।
"हम कछू भी करइ क बरे स्वतन्त्र हई।" मुला हर कउनो
बात स बिसवास मजबूत तउ नाहीं होत। 24केउ क भी मात्र
सुवारथ क ही चिन्ता न करइ चाही बल्कि अउरन क
भलाई क बारे मँ सोचइ चाही:

25बजार मँ जउन्न कछू बिकाइ, अपने अन्तरमने क
अनुसार उ सब कछू खा। ओकरे बारे कउनउ प्रस्न न करा।
26काहेकि सास्तर कहत ह, "इ धरती अउर एह पर जउन
कछू बा, सब पर्भू क अहइ।"*

27अगर अबिसवासियन मँ स कउनउ मनई तोहे खाना पर
बोलावइ अउर तू उहाँ जाइ चाहत अहा तउ तोहरे सामने
जउनउ परोसा गवा बा, आपने अर्न्तमने क अनुसार सब
खा। कउनउ प्रस्न न पूछा। 28मुला अगर केउ तोहे लोगन
क इ बतावइ, "इ देवता पर चढ़ावा गवा चढ़ावा अहइ" तउ
जे तोहे इ बतावइ, ओकरे कारण अउर अपने अर्न्तमने क
कारण ओका न खा। 29मइँ जब अर्न्तमन कहत हउँ तउ
हमार मतलब तोहरे अर्न्तमने स नाहीं बल्कि ओह दुसरे मनई
क अर्न्तमने स बा। एकमात्र इहई कारण अहइ। काहेकि
मोर स्वतन्त्रता भला दूसरे मनई क अर्न्तमने क जरिये लीन्ह
गए निर्णय स सीमित काहे रहइ? 30अगर मइँ धन्यबाद
दइके, खाना मँ हिस्सा लेइत ह तउ जेह चीज क बरे मइँ
परमेस्सर क धन्यबाद देइत ह, ओकरे बरे मोर आलोचना
नाहीं कीन्ह जाइ चाही।

31इही बरे चाहे तउ खा, चाहे पिआ, चाहे कछू अउर
करा, सब कछू परमेस्सर क महिमा क बरे करा। 32यहूदियन
क बरे रहा या गैर यहूदियन क बरे जउन परमेस्सर क
कलीसिया क अहइँ, ओनके बरे कभउँ बाधा न बना
33जइसे मइँ खुद सब तरह स हर कउनो क खुस रखइ क
जतन करत अहउँ, अउर बिना इ सोचे कि मोर सुवारथ का
अहइ, परमार्थ क सोचत हउँ ताकि ओनकर उद्धार होइ।

11 तऊन तू लोग वइसेन ही मोर अनुसरण करा जइसेन
मइँ मसीह का अनुसरण करित हउँ।

अधीन रहा

2मइँ तोहार प्रसंसा करत हउँ। काहेकि तू मोका हर समइ
सुमिरत करत रहत ह; अउर जउन सिच्छन मइँ तोहे दिहे
हउँ, ओनका सावधानी स पालन करत रह्या। 3पर मइँ
चाहित ह कि तू इ जान ल्या कि स्त्री क सासक पुरुस

"मनई … उठा" निर्ग: 32:6

"इ … अहइ" भजन: 24:1; 50:12; 89:11

अहइ, पुरुस क सासक मसीह अहइ, अउर मसीह क
सासक परमेस्सर अहइ। 4हम अइसे मनई जउन सिर ढाँकिके
पराथना करत ह या परमेस्सर कइँती बोलत ह, उ आपन
प्रधान क अपमान करत ह। 5पर हर एक अइसी स्त्री जउन
बिना सिर ढाँकिके पराथना करत ह या जनता मँ परमेस्सर
कइँती बोलत ह, उ अपने प्रधान क अपमानित करत ह। उ
ठीक ओह स्त्री क समान अहइ जे आपन सिर मुंडवाइ दिहे
अहइ। 6अगर कउनउ स्त्री आपन सिर नाहीं ढाँकत तउ उ
अपने बालउ काहे नाहीं मुँड़वाइ लेत। मुला अगर स्त्री क
बरे बाल मुँड़वाउब लज्जा क बात अहइ तउ ओका आपन्न
मूँड़ ढकँइ चाही। 7मुला पुरुस क बरे आपन मूँड़ ढकब
अच्छा नाहीं बा काहेकि उ परमेस्सर क सरूप अउर महिमा
क प्रतिबिम्ब अहइ। मुला एक स्त्री आपन पुरुस क महिमा
क प्रतिबिम्ब कहत ह। 8हम अइसेन एह बरे कहत हई
काहेकि पुरुस कउनो स्त्री स नाहीं, बल्कि स्त्री पुरुस स
बनी बाटइ। 9पुरुस स्त्री क बरे नाहीं रचा गवा बल्कि स्त्री
क रचना पुरुस क बरे कीन्ह गइ बा। 10इही बरे परमेस्सर
तउ ओका जउन अधिकार दिहे अहइ, ओकर प्रतीक रूप स
स्त्री क चाही कि उ आपन मूँड़ ढाकइ। ओका सरगदूत क
कारण अइसेन करइ चाही। 11फिन भी उ पर्भू मँ न तउ
स्त्री पुरुस स स्वतन्त्र अहइँ अउर न तउ पुरुस स्त्री स।
12काहेकि जइसेन पुरुस स स्त्री आइ, वइसेन ही स्त्री पुरुस
क जनम दिहेस। मुला सब केउँ परमेस्सर स आवत हीं।

13खुद निर्णय करा। का एक स्त्री क मूँड़ उघारे परमेस्सर
क पराथना करब अच्छा लागत ह? 14का खुद प्रतीक तोहे
नाहीं देखॉवत कि अगर केउ पुरुस आपन बाल लम्बा बढ़इ
देइ तउ इ ओकरे बरे सरम क बात अहइ, 15अउर इ कि
एक स्त्री क बरे इहइ ओकर सोभा अहइ? सहीयउ मँ
ओका ओकरे लम्बा बाल एक प्राकृतिक ओढ़नी क रूप मँ
दीन्ह गवा बा। 16अब एँह पर अगर कउनउ बिबाद करइ
चाहइ तउ हमका कहइ क होइ कि न तऊ हमरे इहाँ
कउनउ अइसेन प्रथा परमेस्सर क कलीसिया मँ नाहीं बा।

पर्भू क भोज

17अब इ आदेस देत हउँ मइँ तोहार प्रसंसा नाहीं करत
हउँ काहेकि तोहर आपस मँ मिलब तोहार भला करइ क
बजाय तोहे हानि पहुँचावत बा। 18सबसे पहिले इ कि मइँ
सुने हउँ कि तू लोग सभा मँ जब परस्पर मिलत ह्या त
तोहरे बीच मतभेद रहत ह। कछू अंस तक मइँ एह पर
बिसवास करत हउँ। 19(आखिरकार तोहरे बीच मतभेद भी
होइहीं। जेहसे कि तोहरे बीच मँ जउन अच्छा ठहरावा गवा
बा, उ सामने आइ जाइ।) 20तउन जब तू आपस मँ
इकट्‌ठा होत ह तउ सचमुच पर्भू क भोज पावइ क बरे
नाहीं एकट्ठा होत्या, 21मुला जब तू भोज ग्रहण करत ह त
तोहमाँ स हर केऊॅ आगे बढ़ि क अपनेन ही खाना पर टूट
पड़त ह। अउर बस केउ मनई तउ भूखइ ही चला जात ह,
जब कि कउनउ मनई बहुत जियादा खाइ-पी क मस्त होइ
जात ह। 22का तोहरे लगे खाइ-पीअइ क बरे आपन घर
नाहीं बा। अउर एह तरह तू परमेस्सर क कलीसिया क
अनादर नाहीं करत अहा? अउर जउन दीन अहइँ ओनकर
तिरस्कार करइ क चेस्टा नाहीं करतेन? मइँ तोहसे का
कहीं? एकरे बरे का मइँ तोहर प्रसंसा करउँ। एह बिसय मँ
तोहार प्रसंसा न करब।

23काहेकि जउन सीख मइँ तोहे सबन क दिहे हउँ, उ
हमका पर्भू स मिली रही। पर्भू ईसू त ओह रात, जब ओका
मरवाइ डालइ क बरे पकड़वावा ग रहा, एक ठु रोटी
लिहेस, 24अउर धन्यबाद देइ क बाद, उ ओका तोड़ेस अउर
कहेस, "इ मोर देह अहइ, जउन तोहरे बरे बा। मोका याद
करइ क बरे तू अइसेन ही किहा करा।" 25उ भोजन कइ
चुकइ क बाद इही तरह उ कटोरा उठाएस अउर कहेस, "इ
कटोरा मोरे लहू क जरिये कीन्ह गवा एक नवा करार
अहइ। जब कभउँ तू एका पिआय तबहिं मोका याद करइ
क बरे अइसेन करा।" 26काहेकि जेतॅनी बार उ तू एँह रोटी
क खात ह अउर एह कटोरा क पिअत ह, ओतॅनी बार जब
तलक उ आइ नाहीं जात, तू पर्भू क मउत क प्रचार करत
रहा।

27अत: जब केउ पर्भू क रोटी या पर्भू क कटोरा क
अनुचित रूप स खात-पिअत ह, उ पर्भू क देह अउर
ओकर लहू क बरे अपराधी होइ। 28मनई क चाहे कि उ
पहिले अपने क परखइ अउर तब इ रोटी क खाई अउर इ
कटोरा क पिअइ। 29काहेकि पर्भू क देह क मतलब समझे
बिना जउन एह रोटी क खात ह अउर एह कटोरा क पिअत
ह, उ एह तरह खाइ-पीके अपने उप्पर सजा क बोलावत
ह। 30इही बरे तउ तोहमाँ स बहुत लोग कमजोर अहइँ
बीमार अहइँ अउर बहुत स त चिरनिद्रा मँ सोइ ग अहइँ।
31मुला अगर हम अपने आप क अच्छे तरह स परख लिहे
होइत हमका पर्भू क सजा न भोगइ पड़ी। 32पर्भू हमका
अनुसासित करइ क बरे सजा देत थ। ताकि हमका संसार
क साथे दण्डित न कीन्ह जाइ।

33एह बरे कि हे मोर भाइयो तथा बहिनियो, जब भोजन
करइ त एकट्ठा होत ह तउ परस्पर एक दूसरे क इन्तजार
करा। 34अगर सहीयउ मँ कउनो क बहुत भूख लगी होइ
तउ ओका घरे पर खाइ लेइ चाही ताकि तोहार एकत्र होइ
तोहरे बरे दण्ड क कारण न बनइ। अउर, दूसर बातन क
जब मइँ अउबइ तबइ सुलझाउब।

पवित्तर आतिमा क बरदान

12 भाइयो तथा बहिनियो, अब मइँ चाहत हउँ कि तू
आतिमा क बरदान क बारे मँ जाना। 2तू जानत
अहा कि जब तू विधर्मी रह्या तब तोहे गूँगी जड़ मूर्तियन
कइँती जइसेन भटकावा जात रहा, तू वइसेन ही भटकत
रह्य। 3तउन मइँ तोहे बतावत हउँ कि परमेस्सर क आतिमा
क बोलइ वाला कउनउ इ नाहीं कहत, "ईसू क स्राप
लगइ" अउर पवित्तर आतिमा क बगैर मदद द्वारा कहइवालन
क न केउ इ कहि सकई, "ईसू पर्भू अहइ।"

4हर एक क आतिमा क अलग-अलग बरदान मिला
बा। मुला ओनका देइवाली आतिमा तउ एक्कइ बा। 5सेवा
कइउ तरह क निस्चित कीन्ह गइ बाटिन मुला हम सब
जेकर सेवा करत अही उ पर्भू तउ एक ही अहइ।
6काम-काज बहुत स बतावा गवा बाटेन मुला सबहिं क

बीच सब कामन क करइवाला उ परमेस्सर तउ एक ही
अहइ। 7सब कउनो मँ आतिमा केउ न केउ रुपे मँ परगट
होत ह जउन हर एक क भलाइ क बरे होत ह। 8कउनो क
आतिमा क जरिये परमेस्सर क गियान स युक्त भइ बोलइ
क योग्यता दीन्ह गइ बा। तउ केउ क उही आतिमा क
जरिये दिव्य गियान क प्रबचन क योग्यता। 9अउर केउ क
उही आतिमा द्वारा बिसवास क बरदान दीहा गवा बा तउ
केउ क चंगा करइ क छमता ऊही आतिमा क जरिये दीन्ह
गइ बा। 10अउर केउ दूसरे मनई क अद्भुत कारजन करइ
क सक्ती दीन्ह गइ बा तउ केउ दूसरे क परमेस्सर कइँती स
बोलइ क सामर्थ्य दीन्ह गवा बा। अउर केउ क मिली बा
भली बुरी आतिमा क अन्तर क पहिचानइ क सक्ती कउनो
क अलग-अलग भाखा बोलइ क सक्ती मिली भइ बा:
तउ केउ क भाखा क बियाखिया कईके ओकर मतलब
निकालइ क सक्ती। 11मुला इ उहई एक आतिमा बा जउन
जेह-जेह क जइसेन-जइसेन ठीक समझत ह, देत भए इन
सब बातन क पूरा कइ सकत ह।

मसीह क देह

12जइसेन हममें स हर एक क सरीर तउ एक्कइ बा,
पर ओहमाँ अंग कइयउ बाटेन। अउर यद्यपि अंगन क
कइयउ रहत भए ओनसे देह एकइ बनत ह वइसेन ही मसीह
अहइ। 13काहेकि चाहे हम यहूदी रहा अही, चाहे गैर यहूदी,
सेवक होइ य स्वतन्त्र। एकइ सरीर क विभिन्न अंग बनी
जाइ क बरे हम सब क एकइ आतिमा द्वारा बपतिस्मा
दीन्ह गवा अउर पियास बुझावइ क हम सब क एकइ
आतिमा दीन्ह गइ बा।

14अब देखा, मनई सरीर कउनो एक अंग स ही तउ
बना नाहीं होत, बल्कि ओहमाँ बहुत स अंग होत हीं।
15अगर गोड़ कहई, "काहेकि मइँ हाथ नाहीं हउँ, इही बरे
मोर सरीर स कउनउ सम्बन्ध नाहीं तउ इही बरे क उ सरीर
क अंग न रही। 16इही तरह अगर कान कहइ, "काहेकि
मइँ आँख नाहीं हउँ," एह बरे मइँ सरीर क नाहीं हउँ।" तउ
का इही कारण स उ सरीर क अंग न रही। 17अगर एक
आँख ही सब सरीर होत तउ सुना कहाँ स जात? अगर
कान ही सब सरीर होत तउ सूँघा कहाँ स जात? 18मुला
परमेस्सर जइसा ठीक समझेस उ सही मँ सरीर मँ वइसेन ही
स्थान दिहेस। 19तउ सरीर क सब अंग एक जइसा ही होइ
जात तउ सरीर ही कहाँ होत। 20मुला स्थिति इ बा कि अंग
त कइयउ होत हीं मुला सरीर एक्कइ रहत ह।

21आँख हाथे स इ नाहीं कहि सकत, "मोका तोहार
जरूरत नाहीं बाटइ!" या अइसे ही सिर, गोड़न स इ नाहीं
कहि सकत, "हमका तोहार जरूरत नाहीं!" 22एकरे बिलकूल
उल्टा सरीर क अंगन क हम कमजोर समझित ह, उ सबइ
बहुत जरूरी होत हीं। 23अउर सरीर क जउने अंगन क हम
कम आदरणीय समझित ह, ओनकर हम जियादा धियान
रखित ह। अउर हमार गुप्त अंग अउर जियादा सालीनता
पाइ लेत हीं। 24जब कि हमरे प्रदर्सनीय अंगन क एह तरह
क उपचार क जरूरत नाहीं होत। मुला परमेस्सर तउ हमरे
सरीर क रचना एह ढंग स किहेस ह जेहसे ओन अंगन क
जउन कम सुन्दर बा अउर जियादा आदर मिलइ। 25ताकि
देहे मँ कहूँ कउनउ फूट न पड़इ बल्कि देहे क अंग परस्पर
एक दुसरे क समान रूप स धियान रखइँ। 26अगर सरीर क
कउनउ एक अंग दुख पावत ह तउ ओकरे साथे सरीर क
अउर सभन अंग दुखी होत हीं। अगर कउनउ एक अंग क
मान बढ़वत ह त ओकर खुसी मँ सभन अंग हिस्सा बटाव
थीं।

27एह तरह तू सभन लोग मसीह क देह अहा अउर
अलग-अलग रूप मँ ओकर अंग अहा। 28एँतना ही नाहीं
परमेस्सर तउ कलीसिया मँ पहिले प्रेरितन क, दूसरे नबियन
क, तीसरे उपदेसकन क फिन अद्भुत कारजन करइ वालन
क, चंगा करइ क सक्ती स युक्त मनइयन क, फिन
ओनकर जउन दुसरन क सहायता करत हीं, स्थापित किहे
अहइ, फिन अगुवाई करइवालन क अउर फिन ओन्हन
लोगन क जउन विभिन्न भाखा बोल सकत हीं। 29का इ
सब लोग प्रेरित अहइँ? का इ सब लोग नबी अहइँ? का इ
सब लोग उपदेसक अहइँ? का इ सब लोग अचरज काम
करत हीं? 30का इ सब लोगन क लगे चंगा करइ क
सक्ती बाटइ? का इ सब लोग दूसर भाखा बोलत हीं?
31हाँ, मुला आतिमा क अउर बड़ा बरदान पावइ क बरे
यत्न करत रहा। अउर इ सबन क बरे अच्छा रस्ता तू पचन
क अब मइँ देखउब।

पिरेम महान बा

13 अगर मइँ मनइयन अउर सरगदूत क भाखा बोल
सकउँ मुला मोहेमाँ पिरेम न होइ, तउ मइँ एक
बाजत भआ सिरिफ घड़ियाल या झंकारत भइ झाँझ अहउँ।
2अगर मइँ परमेस्सर कइँती स बोलइ क सक्ती क बरदान
प्राप्त करउँ अउर जदि मइँ परमेस्सर क सबइ रहस्यन क
जानत होउँ अउर समूचा दिव्य गियान मोरे लगे होइ अउर
एँतना बिसवास उ मोका होइ कि पर्वतन क अपने स्थान स
सरकाइ सकउँ, मुला मोहेमाँ पिरेम न होइ तउ मइँ कछू
नाहीं अहउँ। 3अगर मइँ आपन सारी सम्पत्ति थोड़-थोड़
कइके जरूरत मन्द क बरे दान कइ देउँ अउर अब चाहे
अपने सरीर तक क जलाइ डालइ क बरे सौंप देउँ मुला
अगर मइँ पिरेम नाहीं करित तउ।

4एहसे मोर भला होइवाला नाहीं बा। पिरेम धीरजपूर्ण बा,
पिरेम दयामय बा, पिरेम मँ ईर्सा नाहीं होत, पिरेम आपन
प्रसंसा आप नाहीं करत। 5उ अभिमानी नाहीं होत। उ
अनुचित व्यवहार कबहुँ नाहीं करत, उ सुवार्थी नाहीं बा,
पिरेम कबहुँ झुँझलात नाहीं, उ बुराइयन क कउनउ लेखा-जोखा
नाहीं रखत। 6बुराइ पर कबहुँ ओका खुस नाहीं होतइ। उ
तउ दुसरन क साथे सत्य पर आनंदित होत ह। 7उ हमेसा
रच्छा करत ह, उ हमेसा बिसवास करत ह। पिरेम हमेसा
आसा स भरा रहत ह। उ सहनसील बा।

8पिरेम अमर बा। जब कि भविस्सबाणी करइ क सामर्थ
तउ समाप्त होइ जाइ, दूसर भाखा क बोलइ क छमता स
जुरी भइ जीभ एक दिन चुप होइ जइहीं, दिव्य गियान क
उपहार जात रही, 9काहेकि हमार गियान तउ अधूरा बा।

हमार सब भविस्सबाणी अपूर्ण बाटिन। 10मुला जब पूर्णता आई तउ उ अधूरापन चला जाई।

11जब मइँ गदेला रहे तउ एक गदेला क तरह ही बोला करत रहे, वइसेन ही सोचत रहे अउर उही तरह सोच विचार करत रहे, मुला अब जब मइँ बाढ़िके मनई बनि गवा हउँ, तउ उ बचपने क बात जात रही बाटइ। 12काहेकि अबहिं तउ दरपन मँ हमका एक धुँधली सी छाया देखॉय पड़त रही बा मुला पूरी तरह मिलि जाए पइ हम पूरी तरह आमने-सामने देखब। अबहिं तउ मोर गियान तनिक बा मुला समइ आवइ पर उ पूरा होये। वइसे ही जइसे परमेस्सर मोका पूरी तरह जानत ह। 13इही बीच बिसवास, आसा अउर पिरेम तउ बना ही रहइँ अउर इन तीनऊ मँ सबसे महान बाटइ पिरेम।

आत्मिक बरदानन क कलीसिया क सेवा मँ लगावा

14 पिरेम क रस्ता पर कोसिस करत रहा। अउर आध्यात्मिक बरदानन क निष्ठा क साथे अभिलास करआ। बिसेस रूप स परमेस्सर क तरफ स बोलइ क।

2काहेकि जेका दुसरन क भाखा मँ बोलइ क बरदान मिला ब, उ तउ सही मँ लोगन स नाहीं, बल्कि परमेस्सर स बात करत बाटइ। काहेकि ओका केउ समझ नाहीं पावत, उ त आतिमा क सक्ति स रहस्यमय होइके बानी बोलत बा। 3मुला उ जेका परमेस्सर कइँती स बोलइ क बरदान मिला बा, उ लोगन स ओन्हे आतिमा मँ मजबूत प्रोत्साहन अउर चैन पहुँचावइ बरे बोलत बा। 4जेका विभिन्न भाखन मँ बोलइ क बरदान मिला बा उ तउ बस आपन आतिमा क ही मजबूत करत ह मुला जेका परमेस्सर कइँती स बोलइ क सामर्थ मिला बा उ समूची कलीसिया क आध्यात्मिक रूप स मजबूत बनावत ह।

5अब मइँ चाहत हउँ कि तू सबइ दूसर कइयउ भाखा बोला। मुला एहसे जियादा मइँ इ चाहित हउँ कि तू परमेस्सर कइँती स बोल सका काहेकि कलीसिया क आध्यात्मिक मजबूती क बरे अपने कहे क बियाखिया करइवाले क छोड़िके, दूसरी भाखा बोलइवालन स परमेस्सर कइँती स बोलइवाला बड़ा बा।

6तउन भाइयो तथा बहिनियो, अगर दूसरी भाखन मँ बोलत भआ मइँ तोहरे लगे आवउँ तउ एहसे तोहार का भला होइ, जब तलक कि तोहरे बरे मइँ कउनउ रहस्य उद्‌घाटन, दिव्य गियान, परमेस्सर क सन्देस या कउनउ उपदेस न देउँ। 7इ बोलब त अइसेन ही होइ जइसे कउनो बाँसुरी या सांरगी जइसेन निर्जीव बाजा क आवाज। अगर कउनो बाजा क स्वरन मँ परस्पर साफ अन्तर न होइ तउ कउनउ कइसे पता लगाइ पाई कि बाँसुरी या सांरगी पर कउन स धुन बजाइ जात बा। 8अउर अगर बिगुल स अस्पस्ट आवाज निकलइ लागइ तउ फिन युद्ध क बरे तइयार के होई? 9इही तरह कउनो दूसरे क भाखा मँ जब तक कि तू साफ-साफ न बोला, तब तलक केऊॅ कइसेन समझ पाई कि तू का कहे रह्या। काहेकि अइसेन मँ तू बस हवा मँ बोलाइवाला ही रही जाब्या। 10एहमाँ कउनउ संदेह नाहीं बा कि संसार मँ भाँति-भाँति क बोली अहइँ अउर ओहमाँ स कउनउ खराब नाहीं अहइ। 11तउन अब तलक मइँ ओह भाखा क जानकार नाहीं हउँ, तब तलक बोलइवालन क बरे मइँ एक अजनबी ही रहबइ। अउर उ बोलइवाला मोरे बरे एक ठु अजनबी ही ठहरी। 12तोह पइ इ बात लागू होत ह काहेकि तू आध्यात्मिक बरदानन क पावइ बरे उत्सुक अहा। इही बरे ओहमाँ भरपूर होइ क प्रयास करा। जेहसे कलीसिया क आध्यात्मिक मजबूति मिली जाइ।

13परिणामसरूप जउन दूसर भाखा मँ बोलत ह, ओका पराथना करई चाही कि उ आपन कहे क मतलब भी बताइ सकइ। 14काहेकि अगर मइँ किहींउ अउर भाखा मँ पराथना करउँ तउ मोर आतिमा त पराथना करत रही होत ह मुला मोरे बुद्धि बेकार रहत ह। 15तउ फिन का करइ चाही? मइँ आपन आतिमा स तउ पराथना करबइ। मुला ओकरे साथ आपन बुद्धि स भी पराथना करबइ। आपन आतिमा स त ओकर स्तुति करबइ ही मुला आपन बुद्धि स भी ओकर स्तुति करबइ। 16काहेकि अगर तू केवल आपन आतिमा स ही कउनउ आसीर्बाद द्या तउ हुवाँ बइठा कउनउ मनई जउन बस सुनत अहइ, तोहरे धन्यबाद पर "आमीन" कइसे कहि देई काहेकि तू जउन कहत अहा, ओका उ जनबइ नाहीं करत। 17अब देखा तू तउ चाहे भली-भाँति धन्यबाद देत अहा मुला दूसर मनई क तउ ओसे कउनउ आध्यात्मिक मजबूति नाहीं होत।

18मइँ परमेस्सर क धन्यबाद देत हउँ कि मइँ तोसे बढ़कर क विभिन्न भाखा बोलि सकित हउँ। 19मुला कलीसिया सभा क बीच कउनो दूसरी भाखा मँ दसहु हजार सब्द बोलइ क अपेच्छा आपन बुद्धि क उपयोग करत हुए पाँच सब्द बोलब अच्छा समझत अहउँ ताकि दूसरे क भी उपदेस दइ सकउँ।

20भाइयो तथा बहिनियो, अपने बिचारन मँ गदेलन क नाई रहा बल्कि बुराइयन क बारे मँ अबोध गदेला जइसेन बना रहा। मुला आपन चिन्तन मँ समझदार बना। 21व्यवस्था मँ लिखा बा:

"उपयोग ओनकर करत भए अउर बोली बोलत जउन,
ओनके ही मुँहन क, उपयोग करत भए जउन क पराया मइँ
करबइ बात एनसे पर न इ हमार सुनिहीं बात तब भी।"

यसायाह 28:11-12

पर्भू अइसेन ही कहत ह।

22तउन दूसर भाखा बोलइ क बरदान अबिसवासियन क बरे संकेत अहइ न कि बिसवासियन क बरे अहइ। जब कि भविसबाणी करब अबिसवासियन बरे नाहीं बल्कि बिसवासियन बरे अहइ। 23तउन अगर समूचा कलीसिया एकट्‌ठ होइ अउर हर केऊॅ दूसर-दूसर भाखा मँ बोलत होइ तब भी बाहर क लोग या अबिसबासी भित्तर आइ जाइँ तउ का उ पचे तोहे पागल न कइहीं। 24मुला अगर हर केउ परमेस्सर कइँती स बोलत होइँ अउर तब तलक कछू अबिसवासी या बाहर क आइ जाइँ त का सब लोग ओका ओकर पाप क बोध न कराइ देइहीं। सब लोग जे कहत हीं, ऊही पइ ओकर निआव होई। 25जब ओकरे मने क भित्तर छिपा भेद

खुली जाइ तब तलक उ इ कहत भआ, "सचमुच तोहरे
बीच परमेस्सर अहइ।" दण्डवत प्रणाम कइके परमेस्सर क
आराधना करिहीं।

तोहार सभा अउर कलीसिया

26भाइयो तथा बहिनियो! तउ फिन का करइ चाही? तू
जब एकट्ठा होत ह तोहमाँ स कउनउ भजन, कउनउ
उपदेस अउर कउनउ आध्यात्मिक रहस्य क उद्घाटन करत
ह। कउनउ केउ अउर भाखा मँ बोलत ह त कउनउ ओकर
बियाखिया करत ह। इ सब बात कलीसिया क आध्यात्मिक
मजबूती क बरे कीन्ह जाइ चाही। 27अगर केउ अउर भाखा
मँ बोलत बाटइ तउन जियादा स जियादा दुइ या तीन क ही
बोलइ चाही अउर बारी बारी, एक-एक कइके अउर जउन
कछू कहा गवा बा, एक-एक क ओकर बियाखिया करइ
चाही। 28अगर उहाँ बियाखिया करइवाला केउ न होइ तउ
बोलइवाले क चाही कि उ सभा मँ चुपइ रहइ अउर फिन
ओका अपने आप स अउर परमेस्सर स ही बात करइ
चाही।

29परमेस्सर कइँती स ओकर दूत क रूप मँ बोलइ क
जेनका बरदान मिला बा, अइसेन दुइ या तीन नबियन क ही
बोलइ चाही अउर दूसरन क चाही कि जउन कछू उ कहे
अहइ, उ ओका परखत रहइँ। 30अगर हुवाँ केउ बइठा
भआ पर कउने क बात रहस्य उद्घाटन होत ह जउन
परमेस्सर कइँती स बोलत अहइ पहिला वक्ता क चुप होइ
जाइ चाही। 31काहेकि तू एक-एक कइके भविस्सबाणी कइ
सकत ह्या ताकि सबहिं लोग सीखइँ अउर प्रोत्साहित होइँ।
32नबियन क आतिमन नबियन क बस मँ रहत हीं।
33काहेकि परमेस्सर अव्यवस्था नाहीं देत, उ सान्ति देत ह।
जइसेन कि सन्तन क सभन कलीसियन मँ होत ह। 34स्त्रियन
क चाही क उ कलीसियन मँ चुप रहइँ काहेकि ओन्हे सान्त
रहइ चाही, बल्कि जइसेन कि व्यवस्था मँ कहा गवा बा,
ओनका दबिके रहइ चाही। 35अगर उ कछू जानइ चाहत ह
तउ ओन्हे घरे पे आपन-आपन पति स पूछइ चाही काहेकि
एक स्त्री क बरे सर्मनाक अहइ कि उ सभा मँ बोलइ।

36का परमेस्सर क बचन तोहसे पैदा भवा बा? या उ मात्र
तोहे तलक पहुँचा? निस्चित नाहीं बा। 37अगर केउ सोचत
ह कि उ नबी अहइ अउर ओका कछू आध्यात्मिक बरदान
मिला बा तउ ओका पहिचान लेइ चाही कि मइँ तोहे जउन
कछू लिखत हउँ, उ पर्भू क आदेस बा। 38तउन अगर केउ
ऍका नहीं पहिचान पावत तउ ओका उ परमेस्सर द्वारा भी
नाहीं जाना चाई।

39एह बरे मोर भाइयो तथा बहिनियो, परमेस्सर कइँती स
बोलइ क तत्पर रहा अउर दूसरा भाखा मँ बोलइ वालन क
भी न रोका। 40मुला इ सभन बातन सही ढंग स अउर
व्यवस्थानुसार कइ जाइ चाही।

ईसू क सुसमाचार

15 भाइयो तथा बहिनियो, अब मइँ तोहे सबन क ओह
सुसमाचार क याद दिवावइ चाहत हउँ जेका मइँ तोहे
सुनाए हउँ अउर तूहउ सबे जेका ग्रहण किहे रह्या अउर
जेहमाँ तू हमेसा स्थित बना्भवा अहा। 2अउर जेकरे जरिये
तोहर उद्धार भी होत बा बसर्ते तू ओन्हन सब्दन क जेका
मइँ तोहे आदेस दिहे रहेउँ, अपने मँ मजबूती स थामे रखा।
(नाहीं तउ तोहर बिसवास धारन करबइ ही बेकार गवा।)

3जउन सबसे पहिले बात मोका मिली भइ रही, ओका
मइँ तोहे तलक पहुँचाइ दिहेउँ कि पवित्तर सास्तरन क
अनुसार, मसीह हमरे पापन क बरे मरा 4अउर ओका
दफनाइ दीन्ह गवा। अउर पवित्तर सास्तरन क अनुसार फिन
तीसरे दिना ओका जियाइके उठाइ दीन्ह गवा। 5अउर फिन
उ परतस क सामने परगट भवा अउर ओकरे बाद बारह
प्रेरितन क उ दर्सन दिहे।

6फिन उ पाँच सऊ स भी जियादा भाइयन क एक साथे
देखॉइ दिहेस। ओनमाँ स बहुतेरे आज तकल जिन्दा अहइँ।
जद्यपि कछू क मउत भी होइ चुकी बा। 7एकरे बाद उ
याकूब क सामने परगट भवा। अउर तब उ सभी प्रेरितन क
फिन दर्सन दिहेस। 8अउर सब स अंत मँ ओ मोका भी केउ
दर्सन दिहेस। मइँ तउ समइ स पहिले असामान्य जन्मा
सतमासा बच्चा जइसेन अहउँ।

9काहेकि मइँ तउ प्रेरितन मँ सबसे छोटका हउँ। इहाँ
तलक कि मइँ तउ प्रेरित कहवावइ क योग्य नाही हउँ,
काहेकि मइँ तउ परमेस्सर क कलीसिया क सतावा करत
रहेउँ। 10मुला परमेस्सर क अनुग्रह स मइँ वइसेन बना हउँ
जइसेन आज अहउँ मोहे पइ ओनकर अनुग्रह बेकार नाहीं
गवा। मइँ त ओन सबसे बढ़ी चढ़ी क मेहनत किहे हउँ,
जद्यपि उ मेहनत करइवाला मइँ नाहीं रहेउँ, बल्कि परमेस्सर
क उ अनुग्रह रहा जउन मोरे साथे रहत रहा। 11तउन चाहे
तोहे मइँ उपदेस दिहे होइ चाहे ओ, मइँ सब इहई उपदेस
देइत ह अउर इही पइ तू बिसवास किहे अहा।

हमार पुनरुत्थान

12मुला जब कि मसीह क मरे भएन मँ स पुनरुत्थान
कीन्ह गवा तउ तोहमाँ स कछू अइसेन काहे कहत बाटेन
कि मउत क बाद फिन स जी उठब सम्भव नाहीं बा।
13अउर अगर मउत क बाद जी उटब ही नाहीं तउ फिन
मसीह क मउत बाद नाहीं जियावा गवा। 14जदि मसीह नाहीं
जिया तउ हमार उपदेस देब बेकार बा अउर तोहार बिसवास
भी बेकार बा। 15अउर हमहूँ फिन तउ परमेस्सर क बारे मँ
झूठ साच्छी ठहरत अही काहेकि हम तउ परमेस्सर क
सामने कसम खाइके इ साच्छी दिहे अही कि उ मसीह क
मरे भएन मँ स जियाएस। मुला उनके कहइ क अनुसार
अगर मरा भवा जियावा नाहीं जात तउ फिन परमेस्सर मसीह
क भी नाहीं जियाएस। 16काहेकि अगर मरा भवा नाहीं
जियाइ जात ह तउ मसीह क भी नाहीं जियावा गवा।
17अउर अगर मसीह क फिन स जिन्दा नाहीं कीन्ह गवा
रहा, फिन तउ तोहार बिसवास भी बेकार बा, अउर तू अबहुँ
अपने पापन मँ फँसा भवा ह। 18हाँ, तउ फिन जे मसीह क
बरे आपन प्रान दइ दिहेन, उ सबइ अइसेन ही खतम भएन।
19अगर हम केवल अपने भौतिक जीवन क बरे ही ईसू

मसीह मँ आपन आसा रखे रही तब तउ हम अउर सबहिं
लोगन स जियादा अभागा हईं।

20मुला अब सहीमँ इ अहइ कि मसीह क मरे भएन स
जियावा गवा। उ मरे भएन क फसल क पहिला फल
अहइ। 21काहेकि जब एक ही मनई क द्वारा मउत आइ
तक एक मनई क द्वारा ही मउत स फिन जिन्दा होइ उठा।
22काहेकि ठीक वइसेन ही जइसेन आदम क कर्मन क
कारण हर किहू क बरे मउत आइ, वइसेन ही मसीह क
द्वारा सबक फिन स जियाइ उठावा जाई। 23मुला हर एक
क ओकरे अपने करम क अनुसार सबसे पहिले मसीह क,
जउन फसल क पहिला फल अहइ अउर फिन ओकरे पुन:
आवई पर ओनकर, जउन मसीह क अहेन। 24एकरे बाद
जब मसीह सबन सासकन, अधिकरियन, हर तरह क
सक्तियन क अंत कइके राज्य क परमपिता परमेस्सर क
हाथन सौंपे देई, तब प्रलय होइ जाई। 25मुला जब तलक
परमेस्सर मसीह क सत्रुवन क ओकरे परमेस्सर नियन्त्रण मँ
न लाइ देइ तब तलक उ अवस्य राज्य करी। 26सबसे
आखिरी सत्रु क रूपे मँ मउत क नास कीन्ह जाई।
27पवित्तर सास्तर कहत ह, "परमेस्सर तउ हर केउ क मसीह
क चरनन क अधीन रखे बा।"* अब देखा जब सास्तर
कहत ह, "सब कछू" क ओकरे अधीन कइ दीन्ह गवा बा,
तउ जउन, सब कछू क ओकरे चरनन क अधीन कीन्हा
बाटेन, उ खुदइ एकर अपवाद बा। 28अउर जब सब कछू
मसीह क अधीन कइ दीन्ह गवा बा, तउ इहाँ तलक कि
खुद बेटवा केऊ ओह परमेस्सर क अधीन कइ दीन्हा जाई,
जे सब कछू क मसीह क अधीन कइ दिहेस ताकि हर केउ
पइ पूरी तरह परमेस्सर क सासन होइ।

29नाहीं तउ जे अपने परान क दिहे अहइँ, ओनकइ
कारण जउन बपतिस्मा लिहे अहइँ, उ पचे का करिहीं।
अगर मरा हुआ कभउँ फिन स जिन्दा होतेन नाहीं तउ
लोगन क ओनकर बरे बपतिस्मा दीन्ह ही काहे जात अहइ?

30अउर हमइँ सब घड़ी संकट झेलत रहित ह? 31भाइयो,
तोहरे बरे मोर उ गरब जेहमाँ हमार पर्भू मसीह ईसू मँ स्थित
होइ क नाते रखत हई, ओका साछी कइके कसम खाइके
कहत हई कि मइँ हर दिन मरित हउँ। 32अगर मइँ इफिसुस
मँ जंगली पसुवन क साथे मानवीय स्तर पर ही लड़े रहे तउ
ओसे मोका का मिला। अगर मरा भवा स जिआवा नाहीं
जानेत तउ, "आवा, खाई, पीई काहेकि काल्हि तउ मरिन
जाब।"*

33भटकब बन्द करा: "खराब संगत स अच्छी आदत
खतम होइ जात हीं।" 34होस मँ आवा, अच्छा जीवन
अपनावा, जइसेन कि तोहे होइ चाही। पाप करब बन्द करा।
काहेकि तोहमाँ स कछू तउ अइसेन अहइँ जउन परमेस्सर क
बारे मँ कछू भी नाहीं जानतेन। मइँ इ एह बरे कहत हउँ कि
तोहे सरम आवइ।

"परमेस्सर … बा" भजन: 8:6

"आवा … जाब" यसा: 22:13; 56:12

हमका कइसेन देह मिली?

35मुला केउ पूछ सकत ह, "मरा भवा कइसे जिआवा
जात ह? अउर उ फिन कइसेन देह धारन कइके आवत ह?"
36तू केतना मूरख अहा। तू जउन बोअत अहा उ जब तलक
पहिले मरि नाहीं जांत जिन्दा नाहीं होत। 37अउर जहाँ तलक
जउन तू बोवत अहा, ओकर प्रस्न बा, तउ जउन पऊधा
बिकसित होइ क बा, तू ओह भरा-पूरा पऊधा क तउ धरती
मँ नाहीं बोउत्या। बस केवल बीया बोवत अहा, चाहे उ गोहूँ
क दाना होइ अउर चाहे कछू अउर क। 38फिन परमेस्सर
जइसेन चाहत ह, वइसेन रूप ओका देत ह। हर बीज क उ
ओकर आपन सरीर प्रदान करत ह। 39सबहिं जिन्दा मनइयन
क सरीर एक जइसा नाहीं होत। मनइयन क सरीर एक तरह
क होत ह जबकि पसुवन क सरीर दूसरे तरह क। चिड़ियन
क देह अलग तरह क होत ह अउर मछलियन क अलग।
40कछू देह दिव्य होत ह अउर कुछ पार्थिव मुला दिव्य देह
क आभा एक तरह क होत ह अउर पार्थिव सरीर क दुसरे
प्रकार क। 41सूरज क तेज एक तरह क होत ह अउर चाँद
क दुसरे तहर क। तारन मँ भी एक भिन्न तरह प्रकास रहत
ह। अउर हाँ, तारन क प्रकास भी एक दुसरे स भिन्न रहत
ह।

42तउन जब मरे भए जी उठिहीं तबऊ अइसेन ही होई।
उ देह जेका धरती मँ दफनाइ क "बोवा" गवा बा, नासवान
बा मुला उ देह जेकर पुनरुत्थान भवा बा, अबिसवासी
बाटइ। 43उ काया जउन धरती मँ "दफनाई" गइ बा
अनादरपूर्ण बा मुला उ काया जेकर पुनरुत्थान भवा बा,
महिमा स मंडित बा। उ काया जेका धरती मँ "दफनाई"
गवा बा, कमजोर बा मुला उ काया जेका फिन स जिन्दा
कीन्ह गवा बा, सक्तिसाली बा। 44जेह काया क धरती मँ
"दफनावा" गवा बा, उ प्राकृतिक बा मुला जेका फिन स
जिन्दा कीन्ह गवा बा, उ आध्यात्मिक देह अहइ।

अगर प्राकृतिक सरीर होत हीं, तउ आध्यात्मिक सरीरन
क भी अस्तित्व बा। 45पवित्तर सास्तरन कहत ह: "पहिला
मनई (आदम) एक सजीव प्रानी बना।"* मुला अंतिम
आदम (ईसू) जीवन दाता आतिमा बना। 46आध्यात्मिक
पहिले नाहीं अउतेन, बल्कि पहिले आवत हीं भौतिक अउर
फिन ओकरे बाद ही आवत हीं आध्यात्मिक। 47पहिले मनई
क धरती क माँटी स बनावा गवा अउर दूसर मनई सरगे स
आवा। 48जइसेन ओह मनई क रचना माँटी स भइ, वइसेन
ही सबन लोग माँटी स ही बेनन। अउर ओह, दिव्य मनई
क समान अउर दिव्य मनइयन भी स्वर्गीय बाटेन। 49हम उ
माटी स बने मनई क तरह बनाए गयेन ह, तउ ओह
स्वर्गीय क रूप भी हम धारन करब। 50भाइयो तथा
बहिनियो, मइँ तोहे इ बतावत हउँ: लहू अउर माँस क इ
पार्थिव सरीर परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकार नाही पाइ
सकतेन। अउर न ही जउन बिनासमान अहइँ, उ अविनासी
क उत्तराधिकारी होइ सकत हीं। 51सुना, मइँ तोहे सबन क
एक रहस्यपूर्ण सत्य बतावत हउँ: हम सबन मरबइ न, बल्कि
हम सब बदल दिहा जाबइ। 52जब अंतिम तुरही बजी तब

"पहिला … बना" उत्पत्ति 2:7

पलक झपकत एक छन मँ ही अइसेन होइ जाई। काहेकि
तुरही बजे अउर मरा हुआ अमर होइके जी उठिहीं अउर
हम जउन अबहिं जिन्दा हयेन, बदलि दिहा जइहीं। 53काहेकि
इ नासवान देह क अविनासी चोला क धारन करब जरूरी
बा अउर एह मरनसील काया क अमर चोला धारन कइ
लेब जरूरी बा। 54तउन जब इ नासवान देह अबिनासी चोला
धारण कइ लेई अउर उ मरणसील काया अमर चोला ग्रहण
कइ लेई तउ पवित्तर सास्तर क लिखा इ पूरा होइ जाई।

“विजय त मऊत क निगल लिहा।”

यसायाह 25:8

55“अरी ओ मऊत! तोहार बिजय अब कहाँ बा? अरी
ओ मऊत! तोहार दंस कहाँ बा?” *होसे: 13:14*

56पाप मऊत क दंस अहइ अउर पाप क सक्ती मिलत ह
व्यवस्था स। 57मुला परमेस्सर क धन्यबाद बा जउन पर्भू ईसू
मसीह क जरिये हमका बिजय देवावत ह।
58तउन मोर पिआरा भाइयो तथा बहिनियो, अटल बना
डटा रहा। पर्भू क काम क बरे अपने आपके हमेसा पूरा
तरह अर्पित कइ द्या। काहेकि तू त जनतइ अहा कि पर्भू
मँ कीन्ह गवा तोहार काम बेकार नाहीं बा।

दूसरे बिसवासियन क बरे भेंट

16 अब देखा! संतन क बरे दान एकट्ठा करइ क बारे
मँ मइँ गलातियन क कलीसियन क जउन आदेस
दिहे हउँ तुहउँ वइसेन ही करा। 2हर रविवार क आपन आय
मँ स कछू न कछू अपने घरे पर ही एकट्ठा करत रहा।
ताकि जब मइँ आउँ ओह समइ दान एकट्ठा न करइ पड़इ।
3मोरे ऊहाँ पहुँचइ पर जेह कउनो मनई क तू चाहा, मइँ
ओका परिचय पत्र दइके तोहर उपहार यरुसलेम लइ जाइके
बरे भेज देबइ। 4अउर अगर मोर जाबऊ अच्छा भवा तउ
उ पचे मोरे साथेन चला जइहीं।

पौलुस क सबइ योजना

5मइँ जब मैसीडोनिया होइके जाबइ तउ तोहरे लगे भी
अउबइ काहेकि मैसीडोनिया स होत भवा जाइके कामे क
मइँ निस्चित कइ चुका हउँ। 6होइ सकत ह मइँ कछू समइ
तोहरे साथे ठहराउँ या जाड़ा ही तोहरे साथे बितावउँ ताकि
जहाँ कहूँ मोका जाइ क होइ, तू मोका बिदा कइ सका।
7मइँ इ तउ नाहीं चाहित कि उहाँ स जात-जात ही बस
तोहसे मिल लेउँ बल्कि मोका तउ आसा बा कि मइँ अगर
पर्भू चाही तउ कछू समइ तोहरे साथे रहबइ। 8मइँ पिन्तेकुस्त
क उत्सव तक इफिसुस स ठहरबउँ। 9काहेकि ठोस काम
करइ क सम्भावना क भी उहाँ बड़ा दुवार खुला बा अउर
फिन उहाँ मोर विरोधी भी त बहुत स अहइँ।
10अगर तीमुथियुस आइ पहुँचइ त धियान रख्या ओका
तोहरे साथे कस्ट न होइ काहेकि मोरे समान ही उहउ पर्भू
क काम करत बा। 11इही बरे कउनउ ओका छोट न
समझइ। ओका ओकरे इ यात्रा पर सान्ति क साथे बिदा
कर्‍या ताकि उ मोरे लगे आइ पहुँचइ। मइँ दूसरे भाइयन क
साथे ओकरी अवाई इ इन्तजार करत हउँ।
12अब हमार भाइ अपुल्लोस क बात इ बा कि मइँ
ओका दुसरे भाइयन क साथे तोहरे लगे जाइ क बहुत
जियादा उत्साहित किहे अहउँ। मुला परमेस्सर क इ इच्छा
बिल्कुल नाहीं रही कि उ अबहिं तोहरे लगे आवत। मुला
अवसर पउतइ ही उ आइ जाई।

पौलुस क पत्र क समाप्ति

13सावधान रहा। मजबूती क साथे आपन बिसवास मँ
अटल बना रहा। 14साहसी बना, सक्तिसाली बना। तू जउन
कछू करा, पिरेम स करा।
15तू लोग स्तिफनास क घरान क तउ जनबइ करत ह
कि उ अखाया क फसल क पहिला फल अहइ। उ
परमेस्सर क लोगन क सेवा क बीड़ा उठाए अहइ। तउन
भाइयो तथा बहिनियो, तोहसे मोर निवेदन बा कि। 16तू लोग
भी अपने आप क अइसेन लोगन क अउर हर ओह मनई
क अगुवाई मँ सौंप द्या जउन एह काम स जुड़ा बा अउर
पर्भू क बरे मेहनत करत ह।
17स्तिफनास, फुरतूनातुस अउर अखइकुस क उपस्थिति
स मइँ खुस हउँ। काहेकि मोरे बरे जउन तू नाहीं कइ
सक्या, अउर उ पचे कइ देखाएन। 18उ पचे मोर अउर
तोहार आतिमा क आनन्दित किहे अहइँ। इही बरे अइसेन
लोगन क सम्मान करा।
19एसिया प्रान्त क कलीसियन कइँती स तोहे पर्भू मँ
नमस्कार! अक्विला अउर प्रिस्किल्ला! ओनके घरे पर
एकट्ठा होइवाली कलीसिया कइँती स तोहे हार्दिक नमस्कार।
20सबन भाइयो तथा बहिनियो, कइँती स तोहे सबन क
नमस्कार। पवित्तर चुम्मा क साथे तू आपस मँ एक दुसरे क
सत्कार करा।
21मइँ पौलुस, तोहे सबन क अपने हाथन स नमस्कार
लिखत हउँ। 22अगर केउ पर्भू मँ पिरेम नहीं रखतेन तउ
ओनका अभिसाप मिलइ। हमार पर्भू अवा! 23पर्भू ईसू क
अनुग्रह तोहे सबन क मिलइ। 24ईसू मसीह मँ तोहरे बरे मोर
पिरेम तू सबन क साथे रहई।